दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

■ ग्वालियर ■ वर्ष : 1 ■ अंक : 295

ग्वालियर, शुक्रवार 15 जुलाई 2022

पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

एग्जिट पोल...नगरीय निकायों में कांग्रेस की धमाकेदार एंट्री ?

-पार्टी को मिल सकते हैं 6 महापौर

-इंदौर, देवास, सतना और खंडवा में भाजपा को बहुमत -भोपाल, सागर, बुरहानपुर, ग्वालियर, उज्जैन और मुरैना में कांग्रेस

भोपाल। प्रदेश में नगरीय निकाय चुनाव के दोनों चरणों के मतदान की प्रक्रिया 13 जुलाई को पूरी हो चुकी है। अब 17 एवं 20 जुलाई को नतीजे घोषित होंगे। इससे पहले अलग-अलग एजेंसियों ने नगरीय निकाय चुनाव को लेकर एग्जिट पोल जारी किए हैं, जिसके अनुसार कांग्रेस को 6 नगर निगमों में महापौर मिल सकते हैं। सत्ता के सेमीफाइनल की तरह देखे जा रहे इन चुनावों के लिए दो एजेंसियों द्वारा किए गए सर्वे के अनुसार इंदौर, देवास, सतना और खंडवा में भाजपा को बहुमत मिलता दिखाई दे रहा है। यानी प्रदेश की इन 4 नगर निगमों पर भाजपा काबिज हो सकती है, वहीं भोपाल, सागर, बुरहानपुर, ग्वालियर, उज्जैन और मुरैना में कांग्रेस की जीत बताई जा रही है। इसके अलावा सिंगरौली और कटनी में त्रिकोणीय मुकाबला है।

प्रदेश में नगरीय निकाय चुनाव के दो चरणों का मतदान समाप्त हो गया। 16 महापौर और 6507 पार्षद के लिए चुनाव लड़ रहे प्रत्याशियों का भाग्य ईवीएम में कैद हो गया। अब सभी की नजरें 17 जुलाई और 20 जुलाई को आने वाले परिणामों पर रहेंगी। प्रदेश में पिछली बार सभी 16 महापौर सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज की थी। इस बार सीटों को बचाने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और सत्ता पाने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ दोनों ने ही प्रचार में पूरा जोर लगाया। प्रदेश में पहले चरण में 6 जुलाई को 11 नगर निगम और 13 जुलाई को पांच नगर निगम सीटों पर मतदान हुआ।

कांग्रेस मजबूत स्थिति में

इस बार कांग्रेस पिछले चुनाव की तुलना में ज्यादा सीटें जीतने की स्थिति में दिख रही है। वहीं, भाजपा जो सीटें जीत रही है, उन सीटों पर हार जीत का अंतर बहुत कम रहने का अनुमान है। भाजपा में टिकट वितरण को लेकर कार्यकर्ता में नाराजगी, वरिष्ठों की अनदेखी और मतदान प्रतिशत कम होना मुख्य कारण बताया जा रहा है। साथ ही कांग्रेस का एकजुट होकर चुनाव लड़ना और कुछ जगह पहले से ही प्रत्याशी का चयन करना है। यदि अनुमान के अनुसार परिणाम आते है तो भाजपा के लिए नगरीय निकाय के चुनाव परिणाम चिंताजनक होंगे। नगरीय चुनावों को 2023 का सेमीफाइनल माना जा रहा है। ऐसे में विधानसभा चुनाव में भाजपा को कांग्रेस से कड़ी टक्कर मिल सकती है।

यहां भाजपा का दावा मजबूत

- **इंदौर-** इंदौर में भाजपा के प्रत्याशी पुष्यमित्र भार्गव और कांग्रेस प्रत्याशी संजय शुक्ला के बीच मुकाबला है।
- **खंडवा-** खंडवा में भाजपा की अमृता यादव और कांग्रेस की आशा मिश्रा के बीच मुकाबला है।
- **देवास-** देवास से भाजपा की गीता अग्रवाल और कांग्रेस की विनोदिनी व्यास से मुकाबला है।
- **सतना-** सतना में भाजपा के योगेश ताम्रकार और कांग्रेस के सिद्धार्थ कुशवाह के बीच लड़ाई है।

इन सीटों पर कांग्रेस का दावा मजबूत

- **भोपाल-** भोपाल में भाजपा से मालती राय और कांग्रेस से विभा पटेल में मुकाबला है।
- **सागर-** सागर में भाजपा प्रत्याशी संगीता तिवारी और कांग्रेस की निधि जैन के बीच मुकाबला हुआ।
- **बुरहानपुर-** बुरहानपुर में भाजपा की माधुरी पटेल और कांग्रेस की शहनाज अंसारी चुनाव मैदान में है। यहां भाजपा को गुटबाजी का नुकसान हो रहा है।
- **ग्वालियर-** ग्वालियर में कांग्रेस प्रत्याशी शोभा सिकरवार और बीजेपी प्रत्याशी सुमन शर्मा के बीच कडा मुकाबला है।

सावन माह से शुरु हुई कांवड़ यात्रा, कांवड़ियों की सुरक्षा को लेकर पुलिस और प्रशासन मुस्तैद

देहरादून। सावन माह के पहले दिन गुरुवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच कांवड़ यात्रा शुरू हुई और इसके साथ ही देश के विभिन्न राज्यों से कांवड़ियों का बड़ी संख्या में गंगा जल लेने के लिए

हरिद्वार पहुंचने का सिलसिला भी शुरू हो गया। कोरोना के कारण दो साल के अंतराल के बाद हो रही कांवड़ यात्रा में हालांकि कोई कोविड प्रतिबंध नहीं लागू किया गया है। अधिकारियों को उम्मीद है कि 26 जुलाई तक चलने वाली यात्रा के दौरान कम से कम चार करोड़ शिवभक्त गंगा जल लेने के लिए उत्तराखंड के हरिद्वार तथा आसपास के क्षेत्रों में पहुंचेंगे। पुलिस ने बताया कि कांवड़ यात्रा के लिए सभी इंतजाम कर लिए गए हैं और यात्रा के सुरक्षित संचालन के लिए पुलिस प्रतिबद्ध हैं। पिछले कुछ दिनों में कोविड के मामलों में हुई बढ़ोत्तरी के यात्रा पर प्रभाव के बारे में पूछने पर पुलिस अधिकारी ने कहा कि महामारी को लेकर सामान्य प्रोटोकॉल हैं, ही लेकिन इस लेकर कोई प्रतिबंध लागू नहीं रहेगा। उन्होंने कहा, सभी गतिविधियां खुल चुकी हैं, चारधाम यात्रा भी चल रही हैं। कहीं कोई प्रतिबंध नहीं है। हमारा मानना है कि लोग अपनी तरफ से सावधानियां बरतें और यात्रा करें।'' उत्तराखंड आने वाले कांवड़ियों से सुविधा के लिए पुलिस सिटीजन पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण करवाने की भी अपील की। उन्होंने हालांकि स्पष्ट किया कि यह अनिवार्य नहीं है और केवल कांवड़ियों की सुविधा के लिए ही है। उन्होंने कहा, ''इन सबका आपको बहुत फायदा होगा।

बाइडेन ने ईरान को चेताया, बोले- परमाणु हथियारों को रोकने के लिए अंतिम उपाय के रूप में करेंगे सेना का इस्तेमाल

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने ईरान को चेताया और कहा कि वह ईरान को परमाणु हथियार प्राप्त करने से रोकने के लिए अंतिम उपाय के रूप में सेना का इस्तेमाल करेंगे। बाइडेन ने यह चेतावनी अपनी मिडिल ईस्ट की यात्रा शुरू करने के दौरान दी है। मंगलवार को वॉशिंगटन से मिडिल ईस्ट की यात्रा पर निकलने से पहले इज़राइल के एक चैनल को एक इंटरव्यू दिया। इसमें जो बाइडेन ने साफ़ किया कि वह ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) को अमेरिकी विदेशी आतंकवादी संगठनों (एफटीओ) की सूची में रखेंगे। फिर चाहे इसके चलते वर्ष 2015 में हुई ईरान न्यूक्लियर डील ही क्यों न रद्द हो। बाइडेन के पिछले बयान का जिक्र करते हुए पत्रकार ने जब पूछा कि क्या वह ईरान के खिलाफ सेना का

उपयोग करेंगे, तो बाइडन ने इसका उत्तर हां में दिया। बाइडेन ने कहा कि अगर वह आखिरी उपाय होगा तो वह बल का उपयोग कर ईरान को रोकेंगे। ईरान ने परमाणु हथियार बनाने से इनकार करते हुए कहा कि उसका परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए है। आपको बता दें कि वर्ष 2015 में आर्थिक प्रतिबंधों से राहत के लिए ईरान ने विश्व की 6 बड़ी शक्तियों के साथ मिलकर ईरान न्यूक्लियर डील पर साइन किये थे। डील के कारण ईरान के लिए परमाणु हथियार बनाना बेहद कठिन हो गया था।

हालांकि, 2016 में ट्रंप के सत्ता पर आने के बाद उन्होंने डील को दरकिनार करते हुए ईरान पर एक बार फिर कठोर प्रतिबन्ध लगा दिए। प्रतिबन्ध लगने से नाराज ईरान ने समझौते की शर्तो का उल्लंघन करना शुरू कर दिया। वहीं, डील को पुनर्जीवित करने के सवाल पर अमेरिका के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रॉयटर्स को बताया कि इसकी संभावना बहुत कम है। दो सप्ताह पहले दोहा में संयुक्त राज्य अमेरिका और ईरान के बीच अनौपचारिक बैठक हुई थी। अधिकारी के मुताबिक अब तक समझौते को पुनर्जीवित करने के प्रयास विफल रहे है। ईरान लगातार समझौते के तय प्रावधानों को तोड़कर यूरेनियम शक्ति को बढ़ाने में जुटा है। समझौते के मुताबिक, ईरान को केवल 3.67प्रतिशत शुद्धता तक यूरेनियम को एनरिच करने की अनुमति थी।

क्या श्रीलंका की तरह दिवालिया होगा पाकिस्तान, शहबाज शरीफ सरकार का खजाना खाली

इस्लामाबाद। श्रीलंका के दिवालिया होने के चलते सियासी गतिरोध के मद्देनजर पाकिस्तान भी सुर्खियों में है। दरअसल पाकिस्तान का खजाना तेजी से खाली हो रहा है और उस पर कर्ज का बोझ बढ़ता ही जा रहा है। पाकिस्तान के लिए विदेशी कर्ज चुकाना मुश्किल हो गया है और ऐसा लग रहा है कि वह जल्द ही दिवालिया हो सकता है। पाकिस्?तान भी श्रीलंका की तरह अपनी इकोनॉमी को बचाने में नाकाम हो सकता है। अगर उसे किसी देश से बड़ा कर्ज मिल जाए तो शायद कुछ दिनों के लिए उसकी स्थिति सुधर सकती है, लेकिन इसके आसार अब कम हैं। पाकिस्तानी मीडिया की खबरों की मानें तो बीते दो हफ्तों में पाकिस्तान के दिवालिया होने का खतरा बढ़ गया है। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्?तान ने बताया है कि पाकिस्तान पर 4.88 अरब डॉलर का बकाया है। इधर पाकिस्तान का चालू खाता घाटा तेजी से बढ़ रहा है। ऐसी आशंका है कि जून 2022 तक पाकिस्तान का चालू खाता घाटा 3 अरब डॉलर हो जाएगा। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान के जून महीने के डेटा के मुताबिक, पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा भंडार

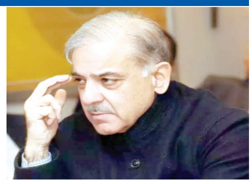

लगातार कम हो रहा है। जून में पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा भंडार 22.62 करोड़ डॉलर था। जो तेजी से घटकर मई तक आते-आते केवल 10 अरब डॉलर हो गया है। पाकिस्तान के पास विदेशी मुद्रा का भंडार खाली हो गया है। बीते 8 सप्ताह में ही स्टेट बैंक से 6 अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा खत्म हुई है। ऐसे में अगर पाकिस्तान को बड़ी सहायता नहीं मिली तो वह दिवालिया हो जाएगा। पिछले महीने चीन से 2.3 अरब डॉलर का कर्ज मिलने के बावजूद स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान के विदेशी मुद्रा भंडार में काफी गिरावट रही।

खास खबर

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का विदाई समारोह शनिवार 23 जुलाई को

नई दिल्ली। शीघ्र निवर्तमान होने जा रहे राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का विदाई समारोह शनिवार 23 जुलाई को शाम 5.30 बजे संसद भवन के सेंट्रल हॉल में होगा। इस मौके पर प्रधानमंत्री, उप राष्ट्रपति, लोकसभा स्पीकर समेत सभी लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य मौजूद रहेंगे। विदाई समारोह के बाद हाई-टी होगी और लोकसभा स्पीकर विदाई भाषण देंगे। इस दौरान रामनाथ कोविंद को सदस्यों की ओर से प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिंन्ह और सांसदों द्वारा हस्ताक्षरित एक हस्ताक्षर पुस्तिका भी भेंट की जाएगी। गौरतलब है कि नए राष्ट्रपति पद के लिए वोटिंग 18 जुलाई को होंगी और और 21 जुलाई को नतीजे घोषित होंगे।

मेहुल चोकसी ने महाराष्ट्र बैंक को भी लगाया करोड़ों का चूना, एक्शन मोड में सीबीआई

मुंबई। पंजाब नेशनल बैंक घोटाले के फरार आरोपी मेहुल चौकसी को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है. मेहुल चोकसी 13,500 करोड़ के पंजाब नेशनल बैंक घोटाले का मास्टरमाइंड है। दिलचस्प बात यह है कि संबंधित घोटाला सामने आने के बाद मेहुल चोकसी देश छोड़कर भाग गए हैं। सीबीआई उनके द्वारा किए गए वित्तीय हेराफेरी के मामले की जांच कर रही है। कुछ दिन पहले प्राप्तीकर विभाग ने उनके खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए नासिक में उनकी 100 एकड़ जमीन जब्त कर ली थी. उसके बाद मेहुल चौकसी को लेकर एक और अहम खबर सामने आई है। सीबीआई ने केनरा बैंक और महाराष्ट्र बैंक से करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी करने के आरोप में मेहुल चौकसी के खिलाफ नया मामला दर्ज किया है. सूत्रों के मुताबिक, मेहुल चोकसी ने केनरा बैंक और बैंक ऑफ महाराष्ट्र से 55.27 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की है। इसलिए सीबीआई ने इस मामले में नया मामला दर्ज किया है। सीबीआई मामले की जांच कर रही है। आपको बता दें कि मेहुल चोकसी पर पीएनबी से 13,500 करोड़ रुपये ठगने का आरोप है। वह भारत छोड़कर एंटीगुआ भाग गए। इसके बाद वह काफी दिनों तक वहीं रहे। हालांकि, मई के आखिरी हफ्ते में चोकसी भागकर डोमिनिका चले गए, जहां पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया.

महंगाई, एलपीजी और अग्निपथ को लेकर मोदी सरकार को घेरने की तैयारी में जुटा विपक्ष

नई दिल्ली। 18 जुलाई से शुरू होने वाले मानसून सत्र में 57 सांसद राज्यसभा में शामिल होने वाले हैं। हालांकि इनमें से पीयूष गोयल, प्रफुल्ल पटेल, जयराम रमेश जैसे कुछ नेताओं की राज्यसभा में वापसी हो रही है। इस बार का मानसून सत्र काफी अहम है, क्योंकि इसमें राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के भी चुनाव भी होने हैं। सत्र के पहले दिन ही राष्ट्रपति का चुनाव है, और 21 जुलाई को वोटों की गिनती होगी और इस जुलाई को नए महामहिम सेंट्रल हॉल में शपथ लेने वाले हैं। उपराष्ट्रपति का चुनाव 6 अगस्त को होगा। हालांकि उपराष्ट्रपति उम्मीदवार को लेकर किसी पार्टी ने अभी अपने पत्ते नहीं खोले हैं। देश में मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों के मद्देनजर इस साल भी मानसून सत्र में हंगामा होने के आसार हैं। पिछले साल इसी वक्त किसानों का मसला गरम था और मानसून सत्र में विपक्ष और सत्तापक्ष के बीच तलवारें खिंची हुई थीं। इसके बाद लोकसभा में महज 21 फीसदी कामकाज हो पाया था। और राज्यसभा में 28 फीसदी। इस बार महंगाई, एलपीजी और तेल की बढ़ती कीमतों को लेकर विपक्ष सरकार को घेरने की तैयारी में है।

बूस्टर डोज के बहाने वैक्सीन खपाने की तैयारी

सितंबर में खराब हो जाएंगी 20 करोड़ खुराक

नई दिल्ली। देश में नए सिरे से बढ़ते कोरोना संक्रमण के बीच सरकार ने 18-59 साल के लोगों को कोविड टीकों की मुफ्त खुराक देने का फैसला किया है। 15 जुलाई से इसके लिए विशेष अभियान शुरू होगा। 75-दिवसीय इस अभियान में सरकारी टीकाकरण केंद्रों पर कोविड वैक्सीन की मुफ्त अतिरिक्त खुराक दी जाएगी। सरकार का यह फैसला पहली नजर में भले ही जनता की सेहत की फिक्र दर्शाता हो, मगर यह पूरा सच नहीं है। दरअसल सरकार को जनता के साथ वैक्सीन बनाने वाली कंपनियों की चिंता भी है। इस समय करोड़ों वैक्सीन एक्सपायर होने की कगार पर हैं। अगर उन्हें दो-तीन माह में प्रयोग नहीं किया गया तो वेक्सीन बेकार हो जाएगी। कंपनियों को नए ऑर्डर नहीं मिल रहे थे। सो उनकी वेक्सीन एक्सपायर होन जा रही थी। ऐसे में सबको फ्री में बूस्टर डोज देन का निर्णय लिया गया।

मांग घटने के कारण बढ़ी समस्या: कोविड-19 के टीकों की मांग घटने के कारण वैक्सीन की करोड़ों खुराक सितंबर में

एक्सपायर होने जा रही हैं। भारत बायोटेक जैसी कंपनियां अपना स्टॉक बेचने के लिए पिछले कुछ महीनों से निजी अस्पतालों के साथ पूरी सक्रियता से काम कर रही हैं। मगर सफलता नहीं मिल पा रही। पुणे की सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के पास कोविशील्ड की करीब 20 करोड़ खुराक हैं, जिन्हें दिसंबर में बनाया गया था और जो सितंबर में एक्सपायर हो जाएंगी। वेक्सीन को खपाने की योजना सफल नहीं रही तो इन्हें नष्ट करना होगा। कोवॉक्सिन की मियाद 12 महीने की होती है। जबकि कोविशील्ड नौ महीने में एक्सपायर हो जाती है। भारत में टीकाकरण में करीब 80 फीसदी खुराक कोविशील्ड की लगी हैं। राज्य और कंपनी के पास हैं पुणे में अब भी एस्ट्राजेनेका के टीके और कोविशील्ड की 20 करोड़ तैयार खुराक हैं। इसके अलावा राज्यों के पास भी बड़ी मात्रा में वेक्सीन स्टाक में है। जो एक्सपायर होने के कगार पर हैं।

75 दिन के पीछे का तर्क: वैश्विक स्वास्थ्य विश्लेषण कंपनी एयर फिनिटी के अनुमानों के मुताबिक पिछले साल जी-7 देशों में कोविड-19 टीके की करीब 24.1 करोड़ खुराक मियाद खत्म होने की वजह से खराब हो गई थीं। इस साल अकेले भारत में ही 20 करोड़ से अधिक खुराक खराब होने के ?निकट हैं।

कोरोना कहर से लॉस एंजिल्स बेहाल, नए वेरिएंट बीए.5 का कोहराम, मास्क लगाना होगा अनिवार्य

लॉस एंजिल्स। अमेरिका के लॉस एंजिल्स काउंटी में कोरोना वायरस संक्रमण का प्रकोप तेज हो रहा है। हालात काफी नाजुक हो चले हैं जिसके चलते मास्क की अनिवार्यता लागू हो सकती है। काउंटी की स्वास्थ्य निदेशक बारबरा फेरर ने

इस सप्ताह कहा कि अगर अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या इसी तरह कायम रही तो मास्क लगाना अनिवार्य करने का निर्देश दिया जा सकता है। लॉस एंजिल्स में करीब एक करोड़ लोग रहते हैं। अमेरिका में इस समय कोरोना वायरस के बेहद संक्रामक बीए.5 वेरिएंट के कारण संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। बीए.5 से संक्रमण के मामले, कुल मामलों का 65 प्रतिशत हैं और बीए.4 से 16 प्रतिशत लोग संक्रमित हैं। टीके से हासिल प्रतिरक्षा को मात देकर कोरोना वायरस के ये नए वेरिएंट लोगों को संक्रमित कर रहे हैं। हाल के हफ्तों में नए ओमिक्रॉन स्वरूप से संक्रमित होने वाले लोगों की अस्पताल में भर्ती होने की तादाद फिर से बढ़ गई है। राज्य और नगर प्रशासन के साथ व्हाइट हाउस भी इससे निपटने के लिए नए कदम उठा रहा है। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि ये चेतावनी देर से दी गई है। स्क्रिप्स रिसर्च ट्रांसलेशनल इंस्टीट्यूट के प्रमुख डॉ. एरिक टोपोल ने कहा, 'चेतावनी बहुत पहले दी जानी चाहिए थी।'

राजस्थान में बारिश का सिलसिला जारी, 18 जिलों में भारी बरसात की संभावना

उदयपुर। राजस्थान में मानसून का दौर जारी है। बीते 24 घंटे के दौरान राज्य के पूर्वी हिस्सों में मूसलाधार बारिश हुई। इस दौरान सबसे अधिक 140 मिलीमीटर बारिश झालावाड़ के डग में दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार, गुरुवार सुबह तक पूर्वी राजस्थान के बांसवाड़ा, झालावाड़ व अलवर सहित अनेक जिलों में मूसलाधार बारिश हुई है। इस दौरान झालावाड़ के

डग में 140 मिलीमीटर, बांसवाड़ा के भूंगरा में 137 मिलीमीटर, अलवर के राजगढ़ में 77 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। बता दें कि बीते दिनों से लगातार राजस्थान में मानसून मेहरबान है। वहीं आने वाले 24 घंटों में 18 जिलों में तेज बारिश की संभावना जताई गई है। इसके साथ ही 2 जिलों के लिए अलर्ट जारी किया गया है। राजस्थान के सिरोही और उदयपुर के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में अगले 24 घंटे में अतिभारी बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने गुरुवार को बताया कि अलवर, जयपुर, झुंझुनू, सीकर, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, झालावाड़, राजसमंद, चुरु, गंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर, बाड़मेर, जालौर, पाली और जोधपुर जिलों में भारी बारिश संभावना है। इन जिलों में तेज बारिश के साथ बादलों की चमक गरज देखने को मिल सकती है। वहीं सिरोही और उदयपुर जिलों में अतिभारी बारिश की संभावना जताई जा रही है। मौसम विभाग ने इन जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। साथ ही यहां बिजली गिरने की भी आशंका बनी हुई है। बता दें कि राजस्थान में बीते 24 घंटों में जमकर बारिश देखने को मिली है। पूर्वी राजस्थान में मौसम मेहरबान बना हुआ है। झालावाड़ के डग में सर्वाधिक 140 मिलीमीटर की बारिश हुई है। वहीं बांसवाड़ा के भूंगरा में 137 मिलीमीटर, अलवर के राजगढ़ में 77 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है। भूंगरा में 137 एमएम बारिश दर्ज की गई। इसके साथ ही प्रदेश के दर्जनभर जगहों पर 65 से 100 एमएम तक बारिश दर्ज की गई है।

असदुद्दीन ओवैसी ने कहा बच्चे दो ही अच्छे कानून का नहीं करूंगा समर्थन

नई दिल्ली। देश में बढ़ती आबादी को लेकर इन दिनों बहस चल रही है और एक वर्ग की ओर से इस पर नियंत्रण के लिए कानून बनाए जाने की मांग की जा रही है। इस बीच एआईएमआईएम के नेता असदुद्दीन ओवैसी का कहना है कि वह ऐसे किसी कानून के समर्थन

नहीं करेंगे, जिसमें दो बच्चे पैदा करने की सीमा तय कर दी जाए। ओवैसी ने कहा हमें चीन की गलती नहीं दोहरानी चाहिए। मैं ऐसे किसी कानून का समर्थन नहीं करूंगा, जिसमें दो बच्चों की नीति बनाने की बात हो। इससे देश को कोई फायदा नहीं होगा। इससे पहले ओवैसी ने कहा था कि जनसंख्या में इजाफे के लिए मुस्लिमों को जिम्मेदार नहीं ठहराना चाहिए। उनका कहना था कि मुस्लिम समुदाय गर्भ निरोधक का इस्तेमाल करने में सबसे आगे रहा है। उन्होंने यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ के उस बयान के जवाब में यह बात कही थी, जिसमें उन्होंने कहा था कि किसी एक वर्ग की जनसंख्या ज्यादा बढ़ने से अराजकता फैल जाएगी और जनसंख्या का असंतुलन नहीं होना चाहिए। ओवैसी ने उन्हें जवाब देते हुए कहा था, %उनके अपने हेल्थ मिनिस्टर का कहना है कि जनसंख्या नियंत्रण के लिए किसी कानून की जरूरत नहीं है। मुस्लिम ही गर्भ निरोधक उपायों का सबसे ज्यादा इस्तेमाल करते हैं। मुस्लिमों की आबादी तेजी से बढ़ने के सवाल पर ओवैसी ने कहा था, क्या मुस्लिम भारत के रहने वाले नहीं हैं? यदि हम सच्चाई देखें तो यहां के मूल निवासी को आदिवासी और द्रविड़ ही हैं। यूपी में बिना किसी कानून के ही फर्टिलिटी रेट में कमी 2026-30 के बीच देखने को मिल सकती है।% ओवैसी ने गुरुवार को कहा कि भारत की फर्टिलिटी रेट लगातार कम हो रही है। 2030 तक इसमें स्थिरता देखने को मिलेगी।

न्यूज़ ट्रैक....

अरुण लाल का बंगाल के कोच पद से इस्तीफा

कोलकाता (ईएमएस)। पूर्व क्रिकेटर अरुण लाल ने बंगाल टीम के मुख्य कोच पद छोड़ दिया है। अरुण लाल पिछले तीन सत्र से मुख्य कोच पद संभाल रहे थे। अरुण लाल ने कहा कि अभी टीम अच्छा कर रही है और सही राह पर है। ऐसे में कोच पद छोड़ने के लिए यही सही समय है। अरुण लाल ने कुछ दिनो पहले ही दूसरी शादी की है और अब वह अपने लिए समय निकालना चाहते हैं। उनके अनुसार बंगाल टीम ट्रॉफी जीतने के लिए सही दिशा में आगे बढ़ रही है पर साथ ही कहा कि अब . प्रतियोगिता काफी कठिन हो गई है। उन्होंने कहा कि कोच पद संभालना कठिन काम है। इसके लिए साल में करीब 9 महीने चौबीसों घंटे काम करना पड़ता है। वहीं अधिकतर समय घर से बाहर रहना होता है। इसलिए मैंने ब्रेक का फैसला किया है।

उन्होंने साथ ही कहा, 'प्रतियोगिता अब पहले से बहुत कठिन हो गई है। पिछले साल के विजेता इस साल सेमीफाइनल में भी नहीं पहुंच पाये। वहीं पिछले साल सेमीफाइनल तक में नहीं पहुंची टीम इस बार खिताबी मुकाबले तक पहुंच गयी। दोनों ही सत्र में केवल बंगाल ने नॉकआउट किया था। इसलिए, वह बेहतर हाल में नजर आ रही है।' मुझे इसकी कमी खलेगी पर मुझे अपने को समय देने की भी जरूरत है क्योंकि क्रिकेट के बाहर भी दुनिया है।

गिरजा/ईएमएस 14जुलाई 2022

(नई दिल्ली) लीजेंड्स क्रिकेट लीग में खेलेंगे सहवाग, और मॉर्गन सहित कई दिग्गज

नई दिल्ली (ईएमएस)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान ऑयन मॉर्गन अब सितंबर में होने वाली लीजेंड्स क्रिकेट लीग के जरिये खेल में वापसी करने जा रहे हैं। हाल की में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाल मॉर्गन इस लीग के दूसरे सत्र में खेलते दिखेंगे। वहीं भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग के अलावा इरफान पठान और उनके भाई यूसुफ पठान के अलावा ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज ब्रेट ली और श्रीलंकाई स्पिनर मुथैया मुरलीधरन भी इस लीग में खेलेंगे। इस लीग में 4 टीम और 110 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी शिरकत करेंगे.

इंग्लैंड की एकदिवसीय विश्व कप 2019 विजेता टीम के कप्तान रहे मॉर्गन ने कहा, 'मैं शानदार महसूस कर रहा हूं और दूसरे सत्र में लीजेंड्स लीग का हिस्सा बनने को लेकर बेहद उत्साहित हूं। मैं दूसरे सत्र में खेलने को लेकर उत्साहित हूं।' टूर्नामेंट के पहले सत्र में भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटरों को भारत, एशिया और शेष विश्व की 3 टीम के बीच बांटा गया था।

(मुंबई) मिडफील्डर विनीत 2022-23 सत्र के अंत तक मुंबई सिटी में ही रहेंगे

मुंबई (ईएमएस)। मुंबई सिटी एफसी ने कहा है कि मिडफील्डर विनीत राय 2022-23 सत्र के अंत तक उनके साथ ही बने रहेंगे। सिटी एफसी ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) फुटबॉल की उनकी साथी टीम ओडिशा एफसी से विनीत को

इंग्लैंड को हरा सीरीज अपने नाम करने उतरी टीम इंडिया

लॉर्ड्स । भारतीय क्रिकेट टीम गुरुवार को यहां होने वाले दूसरे एकदिवसीय मैच में मेजबान इंग्लैंड को हराकर सीरीज में अजेय बढ़त हासिल करने उतरेगी। भारतीय टीम ने पहला एकदिवसीय मैच दस विकेट से जीता था। ऐसे में उसके हौंसले बुलंद हैं और वह इस जीत के सिलसिले को बनाये रखना चाहेगी। पहले मैच में भारतीय गेंदबाजों विशेष रुप से जसप्रीत बुमराह का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा था। बुमराह की गेंदबाजी के सामने मेजबान बल्लेबाज बेबस नजर आये थे। इस मैच में भी भारतीय टीम में बदलाव होने की उम्मीद नहीं है। वहीं दूसरी ओर पहले मैच में मेजबान टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी विफल रही थी पर टीम के पास वापसी की पूरी क्षमताएं हैं , ऐसे में भारतीय टीम को सतर्क रहना होगा। पहले एकदिवसीय में सभी 10 विकेट भारतीय तेज गेंदबाजों ने लिए थे। बुमराह ने करियर का सर्वश्रेष्ठ करते हुए 6 विकेट अपने नाम किए थे। वहीं मोहम्मद शमी ने 3 और प्रसिद्ध कृष्णा ने एक विकेट लिया था। भारत ने इस मैच में लक्ष्य को बिना विकेट के हासिल कर लिया था। मैच में रोहित ने नाबाद 76 आक्रामक पारी खेली थी। विराट कोहली अभी भी चोट से पूरी तरह नहीं उबरे हैं। ऐसे में उनके चयन की संभावना नहीं है।

वहीं दूसरी ओर इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने

जाते हैं। ऑयन मॉर्गन के बाद उन्हें इंग्लैंड की टी20 और एकदिवसीय टीम का नया कप्तान बनाया गया है। भारत के खिलाफ 3 मैचों की टी20 सीरीज में वह नाकाम रहे थे। पहले एकदिवीसय में भी वह कुछ कमाल नहीं कर सके। . अंतिम 4 पारियों में उन्होंने 0, 4, 18 और 30 रन बनाए। इसके अलावा दूसरे ओपनर जेसन रॉय भी बुरी तरह फ्लॉप रहे हैं। पहले एकदिवसीय में जॉनी बेयरस्टो, बेन स्टोक्स और जो रूट भी चल नहीं पाये। स्पिनर मोईन अली भी टी20 और एकदिवसीय सीरीज में अब तक अपेक्षा के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर सके हैं। इस मैच में भी विराट की जगह श्रेरुस अय्यर का खेलना तय है। इसके अलावा स्पिनर के तौर पर यजुवेन्द्र चहल को मौका मिल सकता है। युवा गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा को भी इस मैच में अवसर मिलने की उम्मीद है।

दोनों ही टीमें इस प्रकार हैं:

इंग्लैंड: जोस बटलर (कप्तान), मोईन अली, जोनाथन बेयरस्टो, हैरी ब्रूक, ब्राइडन कार्स, सैम कुरन, लियाम लिविंगस्टोन, क्रेग ओवरटन, मैथ्यू पार्किंसन, जो रूट, जेसन रॉय, फिल सॉल्ट, बेन स्टोक्स, रीस टॉप्ली और डेविड विली।

भारत: रोहित शर्मा (कप्तान), शिखर धवन, ईशान किशन, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर, ऋषभ पंत, हार्दिक पंड्या, रविंद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर, युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह।

दूसरे एकदिवसीय मैच में खिलाड़ियों को गर्म हवाओं का सामना करना पड़ेगा

लंदन । भारत और मेजबान टीम इंग्लैंड के बीच यहां गुरुवार को होने वाले दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में मौसम साफ रहने की उम्मीद है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में गरमी तेज हो सकती है पर यह मैच दिन-रात्रि का होने के कारण खिलाड़ियों को ज्यादा परेशानी नहीं रहेगी। भारतीय टीम इस सीरीज में 1-0 से आगे है। इसलिए जहां भारतीय टीम अपनी जीत की लय बनाये रखने के लिए उतरेगी। वहीं मेजबान टीम का लक्ष्य इस मैच को जीतकर सीरीज 1-1 से बराबरी पर लाना रहेगा। इस मैच में खिलाड़ियों को तेज गरमी से जूझना पड़ सकता है क्योंकि मौसम विभाग ने गर्म हवाओं के चलने की चेतावनी दी है। मौसम विभाग के अनुसार दूसरे एकदिवसीय में लंदन का आसमान साफ रहेगा और दिन में तापमान 25 डिग्री के आसपास रहेगा। इस दौरान बारिश की आशंका नहीं है। शाम के वक्त तापमान 17 डिग्री रह सकता है जबकि हवा की रफ्तार 40 किमी प्रति घंटा रह सकती है। पिच का जहां तक सवाल है , लॉर्ड्स मैदान की पिच बल्लेबाजी के लिए अच्छी मानी जाती है। यहां पिच पर उछाल होता है, जो गेंदबाजों और बल्लेबाजों दोनों के लिए मददगार साबित हो सकता है। इंग्लैंड ने 2019 में इसी मैदान पर पहली बार विश्व कप जीता था। इस मैदान पर हुए पिछले 10 मैच के रिकॉर्ड को देखें तो 7 में पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम जीती है। ऐसे में यहां टॉस जीतने वाली टीम पहले बल्लेबाजी कर बड़ा स्कोर बनाने उतरेगी। आंकड़ों की बात करें तो भारतीय टीम ने अब तक लॉर्ड्स क्रिकेट मैदान पर कुल आठ एकदिवसीय मैच खेले हैं। इसमें से उसने चार मैच जीते हैं, जिसमें 1983 विश्व कप की खिताबी जीत भी शामिल है। ऐसे में रोहित शर्मा की कप्तानी में उतर रही भारतीय टीम को लक्ष्य यहां बड़ी जीत दर्ज कर सीरीज पर कब्जा करना रहेगा।

श्रीलंका में आपातकाल के बाद पाक के साथ सीरीज और एशिया कप पर खतरा मंडराया

कोलंबो । श्रीलंका में राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे के देश छोड़कर भागने के बाद विगड़ते हुए हालातों को देखते हुए सरकार ने आपातकाल लगा दिया है। राष्ट्रपति गोटबाया के भागने की खबर से भड़के लोगों ने जमकर प्रदर्शन किया और प्रधानमंत्री कार्यालय के साथ ही संसद भवन का भी घेराव किया। इन हालातों को देखते हुए पाकिस्तान टीम के दौरे के साथ ही अगले माह होने वाले एशिश कप को लेकर भी संशय बन गया है।

पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच 16 जुलाई से गाले में 2 टेस्ट मैचों की सीरीज शुरु होनी है। इसके लिए पाक टीम श्रीलंका पहुंच भी गयी है पर जिस प्रकार के हालात अब हैं उसमें यह सीरीज अब शायद ही हो पाये हालांकि अभी तक दोनो ही बोर्ड ने कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

इससे पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम के पाक दौरे के समय प्रदर्शनकारी मैदान में प्रवेश कर गये थे। पाकिस्तान से पहले ऑस्ट्रेलिया की टीम श्रीलंका दौरे पर आई थी। तब ऑस्ट्रेलिया-श्रीलंका के बीच गाले के प्रदर्शनकारी स्टेडिमय में घुस गये थे पर मैच में कोई बाधा नहीं आई थी।

इसके साथ ही श्रीलंका में 27 अगस्त से एशिया कप होना है पर आपातकाल के बाद अब इसकी मेजबानी भी श्रीलंका के हाथ से निकलती दिख रही है। इससे पहले भी एशिया कप श्रीलंका की जगह बांग्लादेश में कराये जाने की मांग क जा रही थी। अब कहा जा रहा है कि एशियन क्रिकेट परिषद ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को इस टूर्नामेंट की मेजबानी के लिए तैयार रहने को कहा है। वहीं माना जा रहा है कि बांग्लादेश बोर्ड भी इसके लिए तैयार है।

अंकारा में एफआईवीबी महिला वॉलीबाल मुकाबले में भाग लेती हुई खिलाड़ी।

बुमराह आईसीसी एकदिवसीय रैंकिंग में नंबर एक पर पहुंचे

दुबई । भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह आईसीसी की ताजा रैंकिंग में नंबर एक स्थान पर पहुंच गये हैं। बुमराह ने इंग्लैंड के खिलाफ ओवल में हुए पहले एकदिवसीय में शानदार प्रदर्शन कर छह विकेट लिए थे। बुमराह ने अपने इस प्रदर्शन के साथ ही न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट और पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी को पीछे छोड़ते हुए नंबर एक स्थान हासिल किया है। बुमराह ने पांच पायदान ऊंची छलांग लगाकर गेंदबाजों की एकदिवसीय रैंकिंग में पहला स्थान हासिल किया है। बुमराह के खाते में अब कुल 718 रेटिंग अंक को गये हैं। वहीं बोल्ट दूसरे स्थान पर खिसक गए हैं जबकि अफरीदी तीसरे और ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड चौथे पायदान पर हैं। बुमराह एकदिवसीय में शीर्ष दस गेंदबाजों में शामिल एकमात्र भारतीय हैं। वहीं भारत के ही स्पिनर युजवेंद्र चहल 20वें नंबर पर हैं। मोहम्मद शमी 23वें और भुवनेश्वर कुमार 24वें पायदान पर मौजूद हैं। बुमराह इससे पहले, टी20 के भी नंबर-1 गेंदबाज रहे हैं।

व्यापारन्यूज

डॉलर के मुकाबले रुपया 7 पैसे चढ़कर 79.74 पर

मुंबई । अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में 7 पैसे चढ़कर 79.74 पर खुला। घरेलू शेयर बाजार में तेजी से रुपए को बल मिला। हालांकि कारोबारियों ने कहा कि विदेशों में अमेरिकी मुद्रा की मजबूती और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी के कारण रुपए की बढ़त सीमित रही। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 79.72 पर खुला, फिर शुरुआती सौदों में यह कुछ गिरावट के साथ 79.74 पर आया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 7 पैसे की बढ़त दर्शाता है। पिछले सत्र में बुधवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 79.81 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ था। शुरुआती सौदों में रुपया 79.71 से 79.74 के सीमित दायरे में कारोबार कर रहा था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.30 प्रतिशत की बढ़त के साथ 108.30 पर आ गया। वैश्विक तेल सूचकांक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.57 प्रतिशत चढ़कर 100.14 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बुधवार को 2,839.52 करोड़ रुपए के शेयर बेचे।

अमेरिकी और यूरापीय बाजार में रही गिरावट

मुंबई (ईएमएस)। अमेरिकी शेयर बाजार लगातार दबाव में चल रहा है और वहां बढ़ती महंगाई व मंदी की आशंका का असर साफ देखा जा सकता है। अमेरिका ने बुधवार को खुदरा महंगाई के आंकड़े जारी किए जो 41 साल में सबसे ज्यादा हैं। इसका असर निवेशकों के सेंटिमेंट पर दिखा और प्रमुख शेयर बाजार नेस्डेक पिछले सत्र में 0.15 फीसदी के नुकसान पर बंद हुआ। वहीं अमेरिका में आई गिरावट का असर यूरोपीय शेयर बाजारों पर भी दिखा। पिछले सत्र में यूरोप के सभी प्रमुख शेयर बाजारों में गिरावट दिखी है। जर्मनी का स्टॉक एक्सचेंज पिछले सत्र में 1.16 फीसदी के बड़े नुकसान पर बंद हुआ, जबकि फ्रांस का शेयर बाजार 0.73 फीसदी के नुकसान पर बंद हुआ था। इसी तरह लंदन स्टॉक एक्सचेंज पर भी पिछले सत्र में 0.74 फीसदी का नुकसान दिखा।

देश में आर्थिक विकास की रफ्तार बेहतर, अमेरिका और चीन की घटी

मुद्रास्फीति, उपभोक्ताओं के आत्मविश्वास में कमी और शेयरों में गिरावट रही प्रमुख वजह

नई दिल्ली । जहां एक तरफ अमेरिका और चीन में विकास की रफ्तार धीमी हो रही है वहीं भारत में आर्थिक विकास की गति स्थिर है। ऑर्गनाइजेशन फोर इकोनॉमिक को-ऑपरेशन एंड डेवलपमेंट (ओईसीडी) के कंपोजिट लीडिंग इंडिकेटर (सीएलआई) में यह बात सामने आई है। सीएलआई के अनुसार, यूके, कनाडा व जर्मनी, फ्रांस, इटली समेत पूरे यूरोपीय क्षेत्र की आर्थिक विकास की गति धीमी पड़ रही है। मुद्रास्फीति, उपभोक्ताओं के आत्मविश्वास में कमी और शेयरों में गिरावट इसकी प्रमुख वजहें मानी जा रही हैं। उधर, अमेरिका के लिए ग्रोथ आउटलुक को स्टेबल ग्रोथ से घटाकर ग्रोथ लूजिंग मोमेंटम कर दिया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि उभरती हुई अर्थव्यवस्था में भारत की आर्थिक विकास की गति स्थिर नजर आ रही है। इसके अलावा चीन और ब्राजील की आर्थिक वृद्धि की रफ्तार कुछ धीमी पड़ गई है। ओईसीडी के अनुसार कोविड-19 के कारण चीन द्वारा औद्योगिक इकाइयों में लगाए पूर्ण लॉकडाउन ने चीन की अर्थव्यवस्था को अपंग कर दिया है। रिपोर्ट के अनुसार 2022 में चीन के 5.5 फीसदी की दर से वृद्धि करने का अनुमान संदेहास्पद है। दूसरी ओर ब्राजील में बढ़ती महंगाई और सख्त होती वित्तीय परिस्थितियों ने आर्थिक भावनाओं और परचेजिंग पावर पर चोट की है। इसके अलावा आगामी राष्ट्रपति चुनाव और अनिश्चितता पैदा कर रहे हैं क्योंकि 2023 तक ब्राजील में निवेश के कम रहने का अनुमान है। बात करें भारत की तो सीएलआई में देश की आर्थिक वृद्धि की स्थिति स्थिर है लेकिन इसमें पहले से कुछ गिरावट आई है। मार्च में भारत का सीएलआई 100.3 था जो जून में घटकर 100.1 रह गया है।

ओईसीडी ने इससे पहले अपने आर्थिक पूर्वानुमान में कहा था कि भारत ने 2021 में जी-20 में सर्वाधिक तेजी से जीडीपी रिबाउंड (रिकवरी) दर्ज किया था लेकिन उसके बाद से विकास की गति लगातार धीमी हो रही है। ओईसीडी के अनुसार, भारत के लिए मुद्रास्फीति मुसीबत बनी हुई है और इसमें वैश्विक परिस्थितियों के कारण खाद्य पदार्थ व कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि का हाथ है। सीएलआई को किसी बिजनेस साइकल के टर्निंग पॉइंट्स की जल्द जानकारी देने के लिए डिजाइन किया गया है। यह ऑर्डर बुक, कॉन्फिडेंस इंडिकेटर, बिल्डिंग परमिट्स व लॉन्ग टर्म इंटरेस्ट रेट्स समेत कई इंडिकेटर्स पर आधारित है।

भारत-चीन व्यापार लगातार दूसरे वर्ष बनाएगा 100 अरब डॉलर का रिकार्ड!

बीजिंग । भारत-चीन व्यापार लगातार दूसरे वर्ष 100 अरब डॉलर को पार करने की ओर अग्रसर है। भारत और चीन के बीच कारोबार के आधिकारिक आंकड़ों के सामने आने के बाद यह जानकारी मिली। चीन के उत्पादों के निर्यात में वृद्धि के बीच वर्ष की पहली छमाही में भारत-चीन व्यापार 67.08 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया है। चीन के सीमा शुल्क सामान्य प्रशासन विभाग (जीएसी) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार भारत को चीन का निर्यात पिछले साल की तुलना में 34.5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 57.51 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया है। जबकि चीन को भारतीय निर्यात 9.57 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया है और इसमें पिछले वर्ष की तुलना में 35.3 प्रतिशत की गिरावट आई है।

एलआईसी पर निवेशकों का भरोसा बरकरार

लॉक इन पीरियड खत्म होने के बाद भी नहीं बेचे शेयर

नई दिल्ली । भारतीय जीवन बीमा निगम के शेयर भले ही लिस्टिंग के बाद से 24 फीसदी गिर चुके हों, लेकिन इसमें पैसे लगाने वाले एंकर निवेशकों का भरोसा अभी भी इस पर बरकरार है। एंकर निवेशकों में शामिल दो म्यूचुअल फंडों ने तो एंकर इनवेस्टर्स के लिए लागू लॉक इन पीरियड खत्म होने के बाद एलआईसी में हिस्सेदार बढ़ाई है। एंकर निवेशकों को एलआईसी के शेयर आईपीओ में 949 रुपए की दर से मिले थे। बुधवार 13 जुलाई को एलआईसी के शेयर में हल्की तेजी देखने को मिली। यह शेयर 0.98 फीसदी चढ़कर 718.30 रुपए पर बंद हुआ है। एक रिपोर्ट के अनुसार एंकर निवेशकों में ज्यादातर म्यूचुअल फंड्स हैं। जहां दूसरे निवेशक एलआईसी के शेयरों की बिकवाली कर रहे हैं, वहीं एंकर निवेशक इस शेयर को होल्ड किए हुए है।

ने एंकर निवेशकों को 5.93 करोड़ शेयर इश्यू कर 5,627 करोड़ रुपए हासिल किए थे। आईपीओ से पहले 15 म्यूचुअल फंडों ने एलआईसी के शेयरों में निवेश किया था। 15 म्यूचुअल फंडों में से 7 फंडों ने एलआईसी के शेयर अपने पास बनाए रखे हैं। एलआईसी के एंकर निवेशकों को इसके शेयरों में गिरावट से सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। इसकी वजह यह है कि एंकर निवेशकों को शेयर 949 रुपए की दर से अलॉट किए थे। वहीं पॉलिसीहोल्डर्स और रिटेल इनवेस्टर्स को एलआईसी ने आईपीओ में तय प्राइस पर डिस्काउंट दिया था। एलआईसी के शेयरों में अपनी हिस्सेदारी बनाए रखने वाले म्यूचुअल फंड्स में एसबीआई म्यूचुअल फंड, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड और यूटीआई म्यूचुअल फंड शामिल हैं।

शेयर बाजार की मजबूत शुरुआत

सेंसेक्स 239 अंक चढ़ा, निफ्टी 16,000 के पार

मुंबई। वैश्विक बाजारों में सकारात्मक रुख के चलते गुरुवार को सेंसेक्स और निफ्टी मजबूती के साथ खुले। शुरुआती कारोबार के दौरान सेंसेक्स 239 अंक चढ़ गया। इस दौरान 30 शेयरों वाला बीएसई सूचकांक 239.3 अंक बढ़कर 53,753.45 पर पहुंच गया। दूसरी ओर एनएसई निफ्टी 74.7 अंक चढ़कर 16,041.35 पर था। सेंसेक्स में सन फार्मा, डॉ. रेड्डीज लैब, एचडीएफसी, लार्सन एंड टुब्रो, इंडसइंड बैंक, एचडीएफसी बैंक, आईटीसी और आईसीआईसीआई बैंक बढ़त दर्ज करने वाले प्रमुख शेयरों में शामिल थे। दूसरी ओर, टाटा स्टील, एक्सिस बैंक, टेक महिंद्रा और भारतीय स्टेट बैंक में गिरावट हुई। पिछले सत्र में बुधवार को तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 372.46

अंक गिरकर 53,514.15 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक का निफ्टी भी 91.65 अंक की गिरावट के साथ 15,966.65 अंक पर आ गया। निवेशकों ने गुरुवार सुबह से ही अपोलो हास्पिटल, ब्रिटेनिया, सन फार्मा, टाटा कंज्यूमर, टाइटन, भारती एयरटेल, नेस्ले, एलएंडटी, एचयूएल, पावर ग्रिड और डॉ रेडडी जैसी कंपनियों पर फोकस बनाए रखा। लगातार खरीदारी से इन कंपनियों के स्टॉक टॉप गेनर की सूची में आ गए। इसके विपरीत एसबीआई, एक्सिस बैंक और आईटीसी के शेयरों में सुबह से ही मुनाफावसूली दिख रही है। लगातार बिकवाली से इन कंपनियों के स्टॉक्स टॉप लूजर की श्रेणी में आ गए। बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप पर भी 0.11 फीसदी की तेजी दिख रही है। निफ्टी हेल्थकेयर में सबसे ज्यादा तेजी दिख रही है। यह सेक्टर 1.2 फीसदी के उछाल पर कारोबार कर रहा है। इसके अलावा एफएमसीजी और कंज्यूमर ड्यूरेबल सेक्टर में भी 0.5 फीसदी की तेजी है।

एशियाई बाजार गिरावट पर खुले

मुंबई । एशिया के ज्यादातर शेयर बाजार गुरुवार सुबह गिरावट पर खुले और लाल निशान पर कारोबार कर रहे हैं। सिंगापुर स्टॉक एक्सचेंज 0.44 फीसदी के नुकसान पर कारोबार कर रहा है। जबकि जापान का निक्केई 0.11 फीसदी टूटकर कारोबार कर रहा है। इसके अलावा दक्षिण कोरिया का कॉस्पी शेयर बाजार 0.49 फीसदी तो चीन का शंघाई कंपोजिट 0.05 फीसदी के नुकसान पर कारोबार कर रहा है। विदेशी निवेशकों का भारतीय बाजार से धन निकासी का सिलसिला कायम है। पिछले सत्र में भी विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बाजार से 2,839.52 करोड़ रुपए के शेयर बेचकर पैसे निकाल लिए। हालांकि, इस दौरान घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 1,799.22 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे लेकिन वे बाजार में आई गिरावट को नहीं थाम सके। विदेशी निवेशकों ने इस साल करीब ढाई लाख करोड़ रुपए की निकासी बाजार से की है।

बिल गेट्स ने अपने फाउंडेशन को दिया 20 अरब डॉलर दान

वाशिंगटन । दुनिया के सबसे अमीर कारोबारियों में से एक बिल गेट्स ने कोविड-19 महामारी एवं अन्य वैश्विक आघातों से बेहाल लोगों की मदद के लिए अपने फाउंडेशन को 20 अरब डॉलर का दान देने की घोषणा की। इस दान के साथ ही बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन के पास करीब 70 अरब डॉलर का कोष इकट्ठा हो चुका है। इसके साथ ही यह दुनिया के सबसे बड़े हितकारी संगठनों में से एक बन चुका है। बर्कशायर हैथवे के प्रमुख वॉरेन बफे ने भी पिछले महीने गेट्स के फाउंडेशन को 3.1 अरब डॉलर देने की घोषणा की थी। गेट्स ने फाउंडेशन की वेबसाइट पर प्रकाशित एक लेख में उम्मीद जताई कि अन्य धनवान लोग भी दान के इस सिलसिले में शामिल होंगे। गेट्स फाउंडेशन ने वर्ष 2026 तक अपने सालाना बजट में 50 प्रतिशत बढ़ोतरी की योजना बनाई है। फाउंडेशन को उम्मीद है कि बढ़े हुए खर्च का इस्तेमाल शिक्षा सुविधाएं देने, गरीबी हटाने और रोगों पर काबू पाकर एवं स्त्री-पुरुष समानता लाकर वैश्विक प्रगति को प्रशस्त करने में किया जाएगा।

अगर कोई भविष्य है तो यह हरा होगा: क्रिस्टल डिसूजा

अभिनेत्री क्रिस्टल डिसूजा ने अपने नए इंस्टाग्राम पोस्ट में कोविड-19 के कारण फैली तमाम निराशाओं के बीच पर्यावरण के अनुकूल आशावाद को फैलाया। अगर कोई भविष्य है तो यह हरा होगा, उन्होंने हरे दिल वाले इमोजी के साथ लिखा, एक छवि है जिसमें वह हरियाली के बीच एक गाउन जिसे वह स्टाइलिश रूप से डेनिम शॉर्ट्स के ऊपर पहनी है। अभिनेत्री को हाल ही में भरत गोयल के गाने एक बेवफा के रीक्रिएटेड वर्जन में देखा गया था। यह नंबर मूल रूप से सोनू निगम द्वारा 2005 में अक्षय कुमार-करीना कपूर की फिल्म बेवफा में गाया गया था। रीक्रिएटेड गाने के म्यूजिक वीडियो में वह सिद्धार्थ गुप्ता और अक्षय खरोदिया के साथ नजर आ रही हैं। क्रिस्टल डिसूजा भारतीय टीवी सीरियल में अभिनय करने वाली मशहूर अभिनेत्री हैं। उन्होंने 2011 में आए सीरियल एक हज़ारो में मेरी बेहना है में जीविका का किरदार दर्शाया था। ... उन्हें हालही में कलर्स टीवी के सीरियल बेलन वाली बहू में रूपा के किरदार को भी अभिनय करते हुए देखा गया था। इसके बाद उन्होंने एक नई कहानी में साक्षी का किरदार निभाया। साल 2016 में, उन्होंने ज़ी टीवी के ब्रह्मराक्षस में रैना का किरदार निभाया। क्रिस्टेल डी सूज़ा छोटे पर्दे की सबसे लोकप्रिय अभिनेत्रियों में से एक हैं। क्रिस्टेल फिल्म चेहरें के साथ अपना बॉलीवुड में डेब्यू किया जिसमें यें इमरान हाशमी और अमिताभ बच्चन के साथ नज़र आई।

सनी हिंदुजा ने मनोज बाजपेयी से मिली सबसे अच्छी सलाह को किया याद

अभिनेता सनी हिंदुजा ने मनोज बाजपेयी अभिनीत वेब सीरीज द फैमिली मैन के दूसरे सीजन में वापसी की हैं, और वह याद करते हैं कि कैसे अनुभवी अभिनेता ने उन्हें फ्लो के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया था। सनी ने बताया कि शो की शूटिंग के दौरान, हम समय बिताते हैं और बहुत सारी बातचीत होती है। वह एक बड़े भाई और एक संरक्षक की तरह है, और जब वह अपने शुरुआती दिनों में संघर्ष की अपनी याद साझा करते है, तो ऐसी घटनाओं को सुनकर सभी को प्रेरणा मिलती है। जब संघर्ष बहुत अधिक हो तो आशान्वित रहना कठिन है, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। मुझे लगता है कि ये बाते हमेशा मुझे प्रेरणा देंगी। द फैमिली मैन सीजन दो में बाजपेयी के साथ शारिब हाशमी, प्रियामणि, शरद केलकर और श्रेया धनवंतरी भी नजर आएंगी। राज और डीके द्वारा निर्देशित सीरीज में दक्षिण की स्टार सामंथा अक्किनेनी एक नकारात्मक भूमिका में वेब डेब्यू करेंगी। द फैमिली मैन का दूसरा सीजन 4 जून को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होगा।

रवि दुबे इंजीनियर बनने के लिए आए थे मुंबई

रवि दुबे एक ऐसे अभिनेता हैं, जिन्होंने हमेशा अपनी हर भूमिका में शानदार अभिनय करके दिखाया है. रवि दुबे के करियर की उपलब्धियां सराहनीय हैं. इसमें कोई शक नहीं कि उन्होंने इस इंडस्ट्री में अपना नाम बनाने के लिए काफी मेहनत की है. किसी को यह प्रसिद्धि भले ही आसान लगे, लेकिन इस यात्रा की सफलता के पीछे असली खून-पसीना और उनकी कड़ी मेहनत सब है. हाल ही में रवि ने मुंबई में अपनी यात्रा के बारे में बात करते हुए यह शेयर किया था- मैं गुड़गांव से ताल्लुक रखता हूं, जहां एक अभिनेता होने का विचार एक बहुत दूर का विचार हुआ करता था. इसलिए हर किसी की तरह मैं भी अपने लिए एक अन्य करियर की तरफ देख रहा था, जो मैं बन सकता था.

एक्टर ने आगे बताया- तभी मेरे पिताजी ने सुझाव दिया कि मुझे जीवन में प्लान बी के साथ एक इंजीनियर बनना चाहिए. हालांकि, मेरे पिता पूरे दिलों- दिमाग से हमेशा से जानते थे कि मैं इस रचनात्मक दुनिया में अपना स्थान बना लूंगा और इसलिए मैंने इंजीनियरिंग करने के लिए मुंबई को चुना और किसी अन्य शहर को नहीं चुना था. उनकी जो भी दूरदर्शिता थी, वह वास्तव में सच हो गई और मैंने कॉलेज के अपने तीसरे वर्ष में बहुत सारे विज्ञापन करना शुरू कर दिया।

गंदा मास्क दे सकता है कई बीमारियां

एक्सपर्ट के अनुसार मास्क की सफाई और उसे बदलने को लेकर लोगों में जागरूकता का अभाव है। कई लोग लंबे समय तक एक ही मास्क का उपयोग करते हैं, तो कुछ लोग मास्क की सफाई तक नहीं करते है। विशेषज्ञों के अनुसार मास्क पहनने से ज्यादा जरूरी है साफ मास्क पहनना। गंदा मास्क आपको कोरोना से बचाने की बजाय आपको कई अन्य बीमारियों की जद में ले जाएगा।

इन दिनों काफी लोग ऐसे हैं] जो डिस्पोजेबल मास्क को भी दो से पांच दिन तक इस्तेमाल कर रहे हैं। वहीं कपड़े के मास्क को नहीं बदलना, 10 से 15 दिनों के अंतराल पर धोने से भी यह समस्याएं बढ़ रही है। साथ ही एक ही मास्क बहुत अधिक लंबे समय तक इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। गंदे मास्क से गले में दर्द, पेट संबंधी बीमारियां, गले में खिचखिच, अपच और सांस संबंधी दिक्कतें हो सकती हैं। साफ मास्क सांसों को बाहर निकालते हैं और उससे हवा भी अंदर आती हैं, लेकिन मास्क को लंबे समय तक इस्तेमाल करने और न धोने की वजह से मास्क के छिद्र गंदगी से भर जाते हैं और इस तरह के मास्क शरीर के ऑक्सिजन स्तर में कमी ला सकते हैं। आपको घुटन की समस्या अधिक हो सकती है। यदि मास्क पहनने से गले में समस्या आ रही है तो समझ जाइए कि मास्क साफ नहीं है। वह कीटाणुओं से भर गया है। यह कीटाणु ही आपके गले में परेशानी कर रहे हैं। मास्क पहनने से खांसी की समस्या नहीं होती है, लेकिन गंदा मास्क पहनने से गले की समस्या हो सकती है। खांसी से बचना है तो अपने मास्क की सफाई का विशेष ध्यान रखें। मास्क को सादे पानी में धोना काफी नहीं है। मास्क को धोने के लिए गर्म पानी का इस्तेमाल करें। 5 से 10 मिनट के लिए उसे पानी में डुबोकर रख दें। इसके बाद साबुन से धोएं। 4 से 5 घंटे तक तेज धूप में सूखने दें। यदि घर में धूप नहीं आती है तो मास्क को गर्म पानी से धोने के बाद 15 मिनट डिटॉल में भिगोकर रख दें और फिर सुखाएं। गीले मास्क का उपयोग न करें, इससे कीटाणु पनप सकते हैं। मास्क के सूखने के बाद इसे 3-4 मिनट तक प्रेस करें। मास्क को बार बार हाथ लगाने से बचें। हर इस्तेमाल के बाद मास्क को धोना जरूरी है।ब्लैक फंगस की एक वजह गंदा और बिना धुला मास्क है। हालांकि इसकी मुख्य वजह अब भी स्टेरॉइट का अनुचित इस्तेमाल ही है।

'वर्साचे बेबी' गाने में उर्वशी रौतेला ने पहने बोल्ड आउटफिट्स

बॉलीवुड की खूबसूरत एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला इन दिनों अपने सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर अक्सर चर्चा में बनी रहती हैं. जहां हाल ही में उन्होंने अपना नया म्यूजिक वीडियो गुरु रंधावा के साथ रिलीज किया है. एक्ट्रेस के इस गाने के नाम 'डूब गए' है. जिसके बाद अब वो अपने नए गाने को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं. एक्ट्रेस के इस नए गाने का नाम 'वर्साचे बेबी' है. इस गाने ने सोशल मीडिया पर धूम मचा रखी है. जहां वो इस गाने में इजिप्ट एक्टर और सिंगर मोहमद रमादान के साथ ठुमके नजर आ रही हैं. वहीं ये गाना सोशल मीडिया पर नंबर 1 पर ट्रेंड कर रहा है. एक्ट्रेस का ये गाना उनके जीवन का सबसे

महंगा म्यूजिक वीडियो है. जहां इस गाने में उनकी एक-एक ड्रेस करोड़ो रुपये की है. आपको बता दें, वर्साचे बेबी के रिलीज से पहले एक्ट्रेस इस गाने को लेकर बेहद उत्साहित थीं, जहां उन्होंने इस गाने की कई झकल को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भी शेयर किया था. वहीं इस गाने में एक्ट्रेस के आउटफिट्स को दोनतीला वर्साचे ने खुद एक्ट्रेस के लिए डिजाइन किया है. गाने में एक्ट्रेस ने जो ड्रेसस पहनी है उसकी कीमत 15 करोड़ बताई जा रही है. वहीं कहा जा है कि एक्ट्रेस अपने इस गाने की तैयारी पिछ्ले 1 साल से कर रही थीं. जहां लॉकडाउन के चलते इस गाने की शूटिंग में बहुत दिक्कत आ रही थी. लेकिन हाल ही में ये गाना ईद के दिन रिलीज हुआ है. जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

एक अभिनेता अकेले हिट और मिस का फैसला नहीं करता: अर्जुन कपूर

अभिनेता अर्जुन कपूर इस बात से सहमत हैं कि बॉलीवुड में एक अभिनेता का करियर हिट और मिस से परिभाषित होता है, क्योंकि यह फिल्मों के व्यवसाय के माध्यम से स्टार की योग्यता का आकलन करने में मदद करता है। हालांकि, वह कहते है कि केवल एक अभिनेता ही उतार-चढ़ाव के लिए जिम्मेदार नहीं होता है। अर्जुन ने बताया, जब आप किसी अभिनेता की योग्यता को देख रहे होते हैं तो आपको यह आकलन करना होता है कि उसकी फिल्म के व्यवसाय ने कैसा प्रदर्शन किया है। साथ ही, मुझे लगता है कि अगर आप एक अच्छे अभिनेता हैं, तो आप अपने प्रदर्शन से अधिक परिभाषित होते हैं। उन्होंने आगे कहा कभी-कभी आप बहुत अच्छे अभिनेता होते हैं लेकिन आप गलत चुनाव कर लेते हैं। आप सही अभिनेता हो सकते हैं जो लोगों को आकर्षित करता है लेकिन वे इस समय जो काम कर रहे हैं उससे निराश हैं क्योंकि एक अभिनेता अकेले हिट और मिस का फैसला नहीं कर रहा है। अर्जुन का कहना है कि ऐसे कई तत्व हैं जो एक अभिनेता के पक्ष में काम कर भी सकते हैं और नहीं भी। उन्होंने कहा, अभिनेताओं को कभी-कभी उनके निर्देशक द्वारा निराश किया जाता है। कभी-कभी स्क्रिप्ट उस तरह से आगे नहीं बढ़ पाती है जिसकी कल्पना की गई थी ।

पायल घोष ने अशोक त्यागी निर्देशित रेड के लिए सीखी उर्दू

अभिनेत्री पायल घोष अपनी आगामी फिल्म रेड के लिए उर्दू में सुधार कर रही हैं और निर्देशक अशोक त्यागी उनकी मदद कर रहे हैं। पायल ने कहा, उर्दू एक ऐसी चीज है जो बहुत ही आकर्षक है। मुझे इसके बारे में थोड़ा ज्ञान था लेकिन बोली का पता नहीं था। मेरे निर्देशक अशोक त्यागी सर का इस पर बहुत अच्छा हाथ है और वह धैर्यपूर्वक मुझे उर्दू सिखाने के लिए मेरे साथ बैठे। यह एक अच्छी सीख है। पायल ने कहा कि वह अपनी भूमिका के साथ न्याय करेंगी। उन्होंने कहा, इसलिए मैं वास्तव में इस पर कड़ी मेहनत कर रही हूं। हम फिल्म की शूटिंग के लिए स्थिति के सामान्य होने का इंतजार कर रहे हैं। उम्मीद है कि चीजें जल्द ही ठीक हो जाएंगी। आइए सभी सुरक्षित रहें और प्रोटोकॉल का पालन करें। चीजें जल्द ही सामान्य हो जाएंगी। रेड में शक्ति कपूर और कृष्णा अभिषेक भी हैं। इन्होने हिन्दी, बंगाली और तेलुगू भाषा की फ़िल्मों में कार्य किया है। इन्होने अपने अभिनय की शुरुआत एक बंगाली फ़िल्म से की थी। जिसमें उन्होने एक स्वतंत्रता सेनानी की बेटी का किरदार निभाया था। इसके पश्चात उनके परिवार को उनका फिल्मों में आना अच्छा नहीं लगा और इस कारण वह कलकत्ता से मुंबई आ गई और उन्हे चन्द्र शेखर येलेटी ने प्रयनम नामक फ़िल्म में उन्हे मुख्य किरदार की भूमिका में जगह दिया। इसके पश्चात कई और फिल्मों के पश्चात बॉलीवुड फ़िल्म फ्रीडम में 2012 को उन्हे लिया गया[6] और इसके पश्चात वह पटेल की पंजाबी शादी में भी कार्य किया।

समस्याओं को दूर कर त्वचा को निखारने में सहायक हैं आड़ू के ये फेस पैक

आड़ू अपने पोषक गुणों के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है और इसका सेवन शारीरिक स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभकारी होता है। यही नहीं, इसका इस्तेमाल चेहरे को स्वस्थ रखने और निखारने के लिए भी किया जा सकता है। जी हां, ऐसा संभव है और इसलिए आज हम आपको आड़ू से बनने वाले ऐसे फेस पैक्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनका अगर हफ्ते में कम से कम दो दिन इस्तेमाल किया जाए तो चेहरा एकदम स्वस्थ रहेगा।

आड़ू, नींबू के रस और शहद का फेस पैक: फेस पैक बनाने और लगाने का तरीका: सबसे पहले एक आड़ू को ब्लेंड कर लें। अब इसे कटोरी में एक चम्मच नींबू के रस और एक चम्मच शहद के साथ मिलाएं। अब इस मिश्रण को अपने चेहरे पर लगाकर 15 मिनट बाद इसे ठंडे पानी से धो लें। अंत में चेहरे को तौलिये से टैप-टैप करके सुखा लें।

फायदा: मुंहासे और ब्लैकहेड्स रहित चेहरा पाने के लिए इस फेस पैक का इस्तेमाल बहुत फायदेमंद हो सकता है। आड़ू, ओट्स, अंडे और शहद का फेस पैक: फेस पैक बनाने और लगाने का तरीका: सबसे पहले आधा आड़ू और एक चम्मच ओट्स को अच्छे से ब्लेंड करके एक कटोरी में निकाल लें। अब इस मिश्रण में एक चम्मच शहद और अंडे का पीला भाग मिलाएं। इसके बाद इस मिश्रण को अपने चेहरे पर लगाकर 15 मिनट के बाद इसे ठंडे पानी से धो लें। फायदा: यह फेस पैक त्वचा के रूखेपन को दूर करके मॉइस्चराइज और हाइड्रेट करने में मदद कर सकता है। आड़ू और शहद का फेस पैक: फेस पैक बनाने और लगाने का तरीका: एक कटोरी में दो चम्मच आड़ू के गूदे का पेस्ट और एक चम्मच चम्मच शहद मिलाएं। अब इस मिश्रण को हल्के हाथों से अपने चेहरे पर लगाएं और जब फेस पैक अच्छे से सूख जाए तो चेहरे को ठंडे पानी से धोकर तौलिये से सुखा लें। अंत में चेहरे पर मॉइस्चराइजर लगा लें। फायदा: इस फेस पैक के इस्तेमाल से चेहरे पर निखार आता है।

बॉलीवुड के बाद हॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही जैकलीन फर्नांडिस

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस आने वाले दिनों में एक के बाद एक कई फिल्मों में नजर आने वाली है। जिसकी शूटिंग अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस काफी समय से कर रही हैं। हालांकि अब अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस के चाहने वालों

के लिए एक बड़ी खबर सामने आई है। जिसे सुनने के बाद उनके फैंस की खुशी का ठिकाना ही नहीं रहेगा। जी हां बता दें कि बॉलीवुड में अपनी एक खास जगह बनाने के बाद आप जैकलीन फर्नांडिस जल्द ही हॉलीवुड की दुनिया में एंट्री करने वाली है। जैकलीन फर्नांडिस हॉलीवुड की फिल्म वुमन स्टोरी के जरिए बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली है। बता दें कि इसी साल जनवरी में फिल्म की घोषणा की गई थी। ये फिल्म एक 6 फिल्मों का एक संकलन है। जिसे अलग-अलग फीमेल डायरेक्टर डायरेक्ट करने वाली है। फिल्म में जैकलीन फर्नांडिस मुख्य किरदार के रूप में नजर आने वाली है। फिल्म का निर्देशन लीना यादव करने वाली है। जिसका टाइटल शेयरिंग अ राइड है। फिल्म में जैकलीन का किरदार एक पुलिस ऑफिसर का होगा। फिल्म शेयरिंग आर राइट में नेपाल की ट्रांसजेंडर मॉडल के साथ नजर आने वाली हैं। इस बात का काफी समय पहले ही ऐलान कर दिया गया था। तो ऐसे में अब अभिनेत्री पुलिस ऑफिसर के रोल में दिखाई देने वाली हैं। अभिनेत्री के फैंस उनको इस किरदार में देखने के लिए काफी ज्यादा उत्साहित होंगे।

जी-7 में भारत

पिछले दिनों जर्मनी में ब्रिक्स के ठीक बाद जी-7 का सम्मेलन भारत की नजर में बेहद अहम रहा। इसमें भारत की मौजूदगी चीन को जरूर अखरी होगी। जी-7 दुनिया के वो देश हैं जो दुनिया की आर्थिक व्यवस्था का मॉडल तैयार करते हैं। जी-7 जैसे संगठन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी यह दर्शाती है कि भारत की एक स्वतंत्र नीति है। यह भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और दुनिया में उसके बढ़ते दबदबे को दर्शाता है। कोरोना महामारी के दौरान भारत ने दुनिया को यह दिखा दिया कि भारत अब एक सक्षम और स्वावलंबी राष्ट्र है। कोरोना महामारी के काल में जब पूरी दुनिया में कोहराम मचा था उस वक्त पूरे विश्व की नजर भारत पर टिकी थी। भारत ने हर स्तर पर अपने पड़ोसी और मित्र राष्ट्रों की मदद की थी। ब्रिक्स के बाद भारत की जी-7 में मौजूदगी भारत की स्वतंत्र विदेश नीति की ओर संकेत देती है। भारत ने यह दिखा दिया कि वह चीन और रूस के साथ ब्रिक्स में खड़ा है तो वह अमेरिका व पश्चिमी देशों के साथ जी-7 में भी उपस्थिति है। यही कारण है कि भारतीय विदेश नीति का लोहा पूरी दुनिया मान रही है। पूरी दुनिया में भारत का मान बढ़ रहा है। जी-7 में प्रधानमंत्री मोदी ने पूरी दुनिया को यह संदेश दिया कि भारत का लक्ष्य सतत विकास है। उसका संकल्प इस दिशा में आगे बढना है। वह किसी गुटबाजी का हिस्सा नहीं हो सकता है। भारत क्वाड का सदस्य देश है तो वह ब्रिक्स का भी हिस्सा है। जी-7 शिखर सम्मेलन में भारत की हिस्सेदारी एक प्रमुख आर्थिक और लोकतांत्रिक शक्ति के रूप में भारत की रणनीतिक स्थिति को प्रतिबिंबित करती है। वर्ष 2020 में अमेरिका द्वारा भी भारत को शिखर सम्मेलन के लिए भी आमंत्रित किया गया था, हालांकि यह सम्मेलन महामारी के कारण नहीं हो सका था। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के शासनकाल के दौरान भी भारत ने पांच बार जी-7 के सम्मेलनों में भाग लिया था। भारत के लिए यह व्यापार, कश्मीर मुद्दे और रूस तथा ईरान के साथ भारत के संबंधों पर जी-7 सदस्यों से विचार-विमर्श करने के लिए एक बेहतर मंच उपलब्ध कराता है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, ब्रिक्स और जी-20 आदि अंतरराष्ट्रीय संगठनों में हिस्सेदारी के साथ भारत विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों के माध्यम से एक बेहतर वैश्विक व्यवस्था के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। सम्मेलन में रूस यूक्रेन जंग का मसला ही छाया रहा। सम्मेलन में सभी नेताओं ने संयुक्त रूप से बेलारूस को रूसी परमाणु मिसाइल ट्रांसफर करने को गंभीर चिंता करार दिया। गौरतलब है कि दुनिया के सात सबसे अमीर देशों के समूह जी-7 के अध्यक्ष के रूप में जर्मनी ने इस शिखर सम्मेलन की मेजबानी की थी।

जीवन जीने का वैज्ञानिक तरीका है आश्रम व्यवस्था

ओमप्रकाश श्रीवास?तव

जीवन का सबसे बड़ा द्वंद होता है मन और शरीर के बीच । जन्?म के बाद से ही शरीर हर क्षण बदलता जाता है। शरीर शिशु से बालक, युवा, प्रौढ़ और वृद्ध होता है। उसकी क्षमताएँ युवा होने तक बढ़ती हैं, कुछ समय स्थिर रहती हैं फिर घटना शुरु होती हैं और अंत में मृत्?यु के साथ ही सब कुछ प्रकृति के पंच तत्?त्?वों में समा जाता है। शरीर, प्रकृति का भाग है और उस पर नियंत्रण नहीं हो सकता । वह तो प्रकृति के नियमों के अनुसार क्षय होता जाएगा। इसके विपरीत मन पर समय का प्रभाव नहीं पड़ता। मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि मन को समय का भान नहीं होता इसलिए वह कभी बूढ़ा नहीं होता। शास्?त्रों में मनोनियंत्रण के उपाय बताए गए हैं परंतु वह हर किसी के वश की बात नहीं है। गीता में भगवान् कृष्?ण कहते हैं - निन्संदेह मन पर नियंत्रण करना अत्?यंत कठिन है (गीता 6.35) परिणाम यह होता है कि शरीर की क्षमता समाप्?त हो जाने पर भी मन भूतकाल में ही जकड़ा रहता है, वह सब करना चाहता है जो पहले में करता रहा है । मन चाहता है पर शरीर साथ नहीं देता - यहीं द्वंद पैदा होता है।

जीव को विभिन्?न प्रकार के अनुभव कराने के लिए, संसार में विभिन्?न अवस्?थाओं से गुजारने की व्?यवस्?था ईश्?वर ने की है। जैसे बीज, जड़, तना, पत्तियाँ, फूल, फल और पुन~ बीज का क्रम तय है । इसी प्रकार मानव जीवन में शिशु, बाल्य, यौवन, प्रौढ़ और वृद्ध अवस्थाएँ क्रम से आती हैं। इन्हें बदला नहीं जा सकता । प्रत्येक अवस्था का अपना महत्व है और उस समय उसकी अपनी सुंदरता है। बालपने की निश्?छलता और निश्चिंतता का अपना सुख है, युवावस्?था के पुरुषार्थ, कर्मभूमि के संघर्षों का अपना रोमांच है, प्रौढ़ावस्?था की अनुभवशीलता और गंभीरता का अपना सौंदर्य है तो बृद्धावस्?था में संसार को साक्षी भाव से देखने और सब परमात्?मा पर छोड़ देने का अपना आनन्?द है। यदि जीवन के सभी सोपान पूर्ण जागरूकता से जिये जाएँ तो उनकी वासनाएँ क्रमश~ समाप्?त होती जाती हैं । जीवन का हर चरण अपनी सार्थकता सिद्ध कर लेता है। इसलिए सनातन धर्म में जीवन को चार आश्रमों में बाँटकर प्रत्?येक आश्रम के लिए जीवनचर्या निर्धारित की गई है। प्रत्?येक आश्रम अगले आश्रम की तैयारी का पड़ाव है। इस प्रकार यहाँ आश्रम का अर्थ है - जीवन की विशेष अवस्?था या सोपान । यह जीवनशैली का वैज्ञानिक दृष्टिकोण से विभाजन है। मनुष्?य की आयु को 100 वर्ष मानकर उसे 25 - 25 वर्ष के चार सोपानों में बाँटा गया है। प्रथम 25 वर्ष तक ब्रह्मचर्य आश्रम, 25 से 50 वर्ष तक गृहस्?थ आश्रम, 25 से 75 वर्ष तक वानप्रस्?थ आश्रम और 75 वर्ष के बाद संन्?यास आश्रम ।

ब्रह्मचर्य - यह उपनयन संस्कार से प्रारंभ होता है तथा बलिष्ठ शरीर और विद्वान मस्तिष्क के निर्माण का सोपान है। इस समय विद्यर्थियों के जीवन में नीति, संस्कृति, सदाचार और अध्यात्म की नींव डाली जाती है। इस अवस्था में उसे गृहस्थाश्रम के अनुरूप कार्यक्षेत्र के कौशल विकास का प्रशिक्षण दिया जाता है। ब्रह्मचारी, मन व इन्द्रियों के संयमपूर्वक यम-नियमों का पालन करता है। मनुस्मृति में ब्रह्मचर्य आश्रम के कर्तव्यों को दो भागों में बाँटा गया है किये जाने वाले और न किये जाने वाले। नित्य किये जाने वाले कार्यों में स्नान, शारीरिक शुद्धता, देव, ऋषि और पितरों को तर्पण, देवताओं की पूजा, अग्निहोत्र आवश्?यक हैं। निषेधात्मक कार्यों में विलास की वस्तु?, मादक पदार्थ, स्त्रियों का संग, काम, क्रोध और लोभ का आचरण, जुआ, गाली-गलौज और निन्दा आदि शामिल हैं (मनुस्?मृति 2.176-179)। वैदिक काल में इस समय क्षत्रियों को राजकाज और युद्ध और अस्त्र-शस्त्र चलाने की शिक्षा तो ब्राह्मणों को दर्शन, चिंतन-मनन और कर्मकाण्ड की शिक्षा दी जाती थी। इसके अलावा लौकिक कलाएँ जैसे पशुपालन, कृषि आदि का अध्ययन भी कराया जाता था। वर्तमान संदर्भ में इसे प्राथमिक से उच्?च शिक्षा तक का काल समझना चाहिए। ब्रह्मचर्य आश्रम में विद्याध्यन पूर्ण करके समावर्तन संस्कार (दीक्षांत समारोह) के बाद विद्यार्थी घर वापस आता था तो उसे बहुत आदरणीय माना जाता था। यहाँ तक कहा गया है कि वापस आते समय यदि रास्ते में राजा भी मिल जाए तो राजा उसके लिए मार्ग छोड़ दे ।

गृहस्थ - समावर्तन संस्?कार के बाद ब्रह्मचारी विवाह करके गृहस्?थ आश्रम में प्रवेश करता है। मनुस्मृति में कहा गया है कि चारों आश्रमों में गृहस्थ आश्रम सर्वोपरि है क्योंकि शेष तीन उसी पर निर्भर होते हैं। (मनुस्?मृति 6.89)। महाभारत में भी इसे अन्?य आश्रमों के लिए माता के समान बताया गया है (महा. अनु. 141/52-53) इसमें व्?यक्ति धर्म की सीमाओं के अंतर्गत अर्थ और काम की प्राप्ति और उपभोग करता है। इस समय व्यक्ति में परस्पर प्रेम, आदर और उत्सर्ग की भावना का विकास होता है। मनुस्मृति की प्रसिद्ध उक्ति है - यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता। एक अन्य ग्रंथ का श्लोक है - 'पति ध्यान रखे कि पत्नी प्रसन्न है, पत्नि ध्यान रखे कि पति प्रसन्न है।' तैत्तरीय उपनिषद् कहता है - 'गृहस्?थ के पास कोई भी आश्रय माँगने आये तो उसे मना नहीं करना चाहिए। उसका सत्?कार करना, भोजन देना गृहस्?थ का कर्तव्?य है।' इस आश्रम में संसार को विकसित करने का अवसर होता है।

घरेलू कामकाज में अनजाने में हुई हिंसा के निस्तार हेतु प्रतिदिन पंचमहायज्ञ करने का विधान है (मनुस्?मृति 3.70) । यह हैं - ब्रह्मयज्ञ (शास्?त्रों का पठन-पाठन), पितृयज्ञ (पिण्?डदान, श्राद्ध-तर्पण आदि), देवयज्ञ (इष्?टदेव की उपासना, पूजा और हवन), भूतयज्ञ (कृमि, कीट-पतंग, पशु और पक्षी आदि प्राणियों को भोजन देना) तथा मनुष्ययज्ञ (अतिथियों का सत्कार तथा भोजन कराना)। गृहस्थ को सत्य और न्यायपूर्वक धनोपार्जन करके, अपनी कामनाओं की पूर्ति करना चाहिए, बच्?चों को अच्?छे नागरिक के संस्?कार देना चाहिए और आत्मकल्याण के लिए देवताओं, पितरों और सभी प्राणियों की निष्कामभाव से सेवा करना चाहिए। यह सांसारिक भोगों का अनुभव कर उनसे ऊपर उठने का सोपान है। वानप्रस्थ - यह सोपान 50 से 75 वर्ष तक का है। पीढ़ियों के विचारों और रहन-सहन में अंतर के कारण युवाओं के साथ रहने में वृद्धों को समस्या होती है। अतः यह सक्रिय जीवन से मुक्ति का सोपान है, संसार को धीरे-धीरे छोड़ने की प्रक्रिया है। गृहस्?थ आश्रम में अर्थ और काम के अनुभव और उनकी निस्?सारता को जानकर मोक्ष की ओर प्रस्थान का प्रारंभिक बिन्दु है। इस समय सांसारिक कार्यों से उपराम लिया जाता है। इस आश्रम में घर छोड़कर, जंगल या एकांत में त्?याग और वैराग्?य का जीवन बिताते हुए नई पीढ़ी को मार्गदर्शन दिया जाता है। वानप्रस्?थी को उचित है कि वह प्रतिदिन वेद आदि शास्त्रों का स्वाध्याय करे, इन्द्रियों का दमन करे, सब में मैत्रीभाव रखे, मन को वश में रखे, सदा दान दे, पर प्रतिग्रह न ले तथा सब प्राणियों पर दया रखे (मनुस्?मृति 6.8)

संन्यास - 75 वर्ष की आयु के बाद यह आश्रम माना जाता है। इस आश्रम में अग्निहोत्र आदि सम्पूर्ण कर्मों का, सांसारिक रिश्?ते-नातों का तथा शिखा-सूत्र का त्याग करके, प्राणिमात्र को अभय देकर संन्यास ग्रहण किया जाता है। इस समय वह घर- संसार छोड़ देता है। अब सारा संसार ही उसका होता है। व्यक्ति आध्यात्मिक ज्ञान के लिए पूर्ण समर्पित हो जाता है। इसका उद्देश्?य है जीवन का अंतिम समय पूर्णत~ त्?याग, तपस्या और ध्यान में व्यतीत करना, आत्मानुभव करना और मृत्यु के बाद के जीवन में प्रवेश करने के लिए स्वैच्छा से तैयार रहना।

दूसरों के दुख से अपना दुख ज्यादा बेहतर

एक कहावत है राजा दुखी, प्रजा दुखी सुखिया का दुख दुना। कहने का अर्थ यह है कि संसार में जिसे देखो वह अपने को दुखी ही कहेगा। राजा का अपना दुख है, प्रजा का अपना और जिसे आप सुखी माने बैठें हैं उससे पूछ कर देंखेंगे तो वह भी अपने दुखों की पोटरी खोलकर अपनी व्यथा गाने लगेगा। लेकिन अगर आपके पास यह विकल्प हो कि आप अपना दुख किसी और को देकर दूसरे का दुख खुद स्वीकार कर लें तब आप कहेंगे कि अपना ही दुख भला है। इस संदर्भ में एक कथा है कि किसी गांव में एक फकीर आये। उनकी विशेषता यह थी कि वे किसी की भी समस्या दूर कर देते थे। उनकी इस विशेषता के बारे जिसे भी पता चला, वह उनके पास दौड़ा आया। अच्छी खासी भीड़ जमा हो गई और लोग जल्दी से जल्दी अपनी समस्या फकीर को बताने की जुगत भिड़ाने लगे। नतीजा यह हुआ कि हर कोई बोलने लगा। कोलाहल मच गया। फकीर ने सभी को चुप होने के लिए कहा। सभी लोग चुप हो गये तब फकीर ने कहा, मैं सबकी समस्या दूर कर दूंगा। आप सब लोग एक-एक कागज पर अपनी समस्या लिखकर लाएं और मुझे दे दें। कुछ ही देर में कागजों का ढेर लग गया। फकीर ने कागजों को एक टोकरी में रखा और उसे सबके बीच में रख दिया। एक आदमी की तरफ इशारा करके फकीर मे कहा, यहां से शुरू करके सब बारी-बारी से आएंगे और एक-एक कागज उठा लें। ध्यान रहे किसी को अपना कागज नहीं उठाना है। लोग एक-एक कर आए कागज उठा-उठा कर अपनी-अपनी जगह बैठ गए। फकीर ने कहा, अब इस कागज में लिखी किसी दूसरे की समस्या पढ़ो।

प्रेम लता बहन के ईश्वरीय ज्ञान को देख संत भी झुक जाते थे!

डॉ श्रीगोपाल नारसन

प्रेमलता बहन का यह सौभाग्य रहा कि उन्हें बचपन से ही ईश्वरीय ज्ञान मिलना शुरू हो गया था।बड़े होने तक वे आध्यात्मिक रूप से इतनी सम्प्रद्ध हो गई कि उनकी साधना,उनके चेहरे के तेज और उनके सेवा भाव को देखकर बड़े से बड़े संत, महात्मा, साधु उनके सामने नतमस्तक हो जाते थे।परमपिता परमात्मा शिव की लाडली बेटी प्रेमलता जीवनपर्यंत प्रेम ही बांटती रही। प्रजापिता ब्रह्मा बाबा की पालना लेकर ब्रह्माकुमारीज् संस्था प्रमुख प्रकाशमणि दादी व दादी जानकी के सानिदय में रही प्रेम लता बहन ईश्वरीय ज्ञान की दिव्य विभूति मानी जाती थी। जो भी उनसे मिलता उनसे प्रभावित हुए बिना नही रहता।यहां तक कि उनके मार्गदर्शन के कारण कइयो के जीवन की दिशा ही बदल गई।उन्ही के प्रयासों से कुछ ईश्वरीय ज्ञान यज्ञ का हिस्सा बन गए तो कुछ जो व्यसनों के आदी थे, सदा के लिए व्यसनों से मुक्ति पा गए।हमेशा दूसरे के चेहरे की मुस्कुराहट के लिए वे शांत भाव खुश रहने व खुशी बांटने का संदेश देती थी। प्रेम बहन बचपन ही ब्रहमाकुमारीज संस्था से जुड़ गई थी। 18 जनवरी 1940 में जन्मी प्रेम लता बहन को सन 1952 में ईश्वरीय ज्ञान मिला और सन 1956 में वे इस ज्ञान के सागर में जीवनभर के लिए समर्पित ही गई। ब्रह्माकुमारी प्रेमलता के अंदर ब्रहमाकुमारीज संस्था के संस्थापक ब्रहमा बाबा ने ईश्वर के प्रति मधुर मिलन की ललक देखी, तो उन्होंने उन्हें अपने सानिध्य में ले लिया। ब्रहमा बाबा चाहते थे, कि परमात्मा शिव का ईश्वरीय ज्ञान भक्ति मार्ग के साधु संतों को भी मिले।जिसके लिए उन्होंने ब्रहमाकुमारी प्रेमलता बहन को इस ईश्वरीय सेवा के लिए निमित्त बनाया और उन्हें हरिद्वार में जाकर साधू संतों को ईश्वरीय ज्ञान बांटने की सेवा दी। सचमुच बहुत कठिन परीक्षा थी ब्रहमाकुमारी प्रेमलता के लिए, क्योंकि जिन साधू संतों को ईश्वरीय ज्ञान देने की जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गई, वें साधू संत तो स्वयं को सर्वज्ञानी मानते हैं। फिर भला वें एक बालिका से कैसे ज्ञानार्जन करना स्वीकार कर सकते थे। लेकिन प्रेमलता के लिए ब्रहमा बाबा का आदेश ही सर्वोपरि रहा, चाहे उसमें कितनी भी कठिनाई क्यों न हों। वें हरिद्वार आई और उन्होंने हरिद्वार के आश्रमों में जाकर साधू संतों से सम्पर्क साधना आरम्भ किया। आरम्भ में साधू संत उनसे मिलना भी गंवारा नहीं समझते थे और यदि मिल भी जाते तो प्रेमलता को छोटी बच्ची समझ कर स्वयं ही भक्ति मार्ग का ज्ञान उन्हें देने लगते। लेकिन साधू संतों की बातों को सुन मंद मंद मुस्काती प्रेमलता के चेहरे पर कभी शिकन तक नहीं आई और जब साधू संतों की बात समाप्त हो जाती या फिर यदि वें क्रोध में होते तो उनका क्रोध शांत हो जाता, तब बड़े ही सहज भाव से प्रेमलता ईश्वरीय ज्ञान का उन्हें ऐसा पाठ पढ़ाती, कि साधू संत उनके सामने नतमस्तक हो जाते। प्रजापिता ब्रहमाकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के धर्म सेवा प्रभाग की राष्ट्रीय समन्वयक एवं पंजाब जोन सब प्रभारी रही प्रेमलता बहन मुझे जब भी अपने सेवा केन्द्र देहरादून या फिर हरिद्वार व रुड़की आगमन पर मिलती तो लगता जैसे वें मेरे ऊपर स्नेह वर्षा कर रही हैं।देहरादून में जब भी उन्हें मेरे आने की खबर मिलती तो वें मुझसे मिलने के लिए दौड़ी चली आती और मुझे परमात्म ज्ञान के साथ-साथ सदाचार जीवन का पाठ विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से पढ़ाती। हमेंशा पूछती गोपाल भाई कुछ खाया या नहीं और रुड़की आश्रम के अन्य भाई बहनों के बारे में भी कुशलक्षेम जरूर पूछती। एक बार प्रेमलता बहन ने एक किस्सा सुनाया, बोली भाई, एक दिन हमारे आश्रम में एक वृद्ध दम्पत्ति आए और बोले, बहन जी घर में धन सम्पत्ति आभूषण आदि बहुत है और हमें डर लगता है कि कोई हमारी हत्या न कर दे। जिस कारण हमें रात को नींद भी नहीं आती और दिन भी तनाव के साथ ही बीतता है,कोई उपाय बताईये, मैंने कहा कि बस, इतनी सी बात ऐसा करो घर में जितना भी रुपया पैसा और आभूषण है उन्हें एक पोटली में बांधकर किसी नदी या नहर में डाल आओ, आपकी सारी चिन्ताऐं और डर समाप्त हो जाएगा। दम्पत्ति बोले बहन जी यह आप क्या कह रही हो? हम ऐसा कैसे कर सकते हैं। वो धन-सम्पदा तो हमारी अपनी है। हम उसे नदी या नहर में कैसे डाल सकते हैं? लेकिन जब बहन जी ने उन्हें कहा कि यह धन-सम्पदा के प्रति बेवजह के मोह ने ही आपके सुख चैन को हर लिया है। इससे मोह छोड़ दोगे तो जीवन खुशियों भरा हो जाएगा। वहीं एक बार उनके आश्रम में एक चोर घुस आया, लेकिन जब बहन जी ने उसे प्यार से बुलाकर पूछा भाई क्या काम है?कोई तकलीफ तो नहीं, तो वह बिना चोरी किए माफी मांगकर चला गया।

जैन धर्म- चातुर्मास- आत्मावलोकन का पर्व

सूडोकु नवताल- 6132

★☆☆☆☆ सरल

2		8	5	1	9	6		7
					8			1
		7	4	6		8		9
3	2				7			8
1		9		4		7		5
4			2				9	3
6		3		5	1	9		
8			3					
7		1	9	2	6	3		4

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6131 का हल

7	1	9	8	5	3	2	6	4
4	5	3	6	2	9	7	1	8
6	2	8	4	7	1	9	5	3
9	8	2	7	3	5	1	4	6
1	3	6	9	4	8	5	7	2
5	7	4	1	6	2	8	3	9
8	4	7	5	9	6	3	2	1
3	6	1	2	8	7	4	9	5
2	9	5	3	1	4	6	8	7

अरविन्द प्रेमचंद जैन

चातुर्मास का शाब्दिक अर्थ है चार माह. ये चार माह व्यक्ति को संयम और सहिष्णुता की साधना के लिए प्रेरित करते हैं. चातुर्मास का सिर्फ धार्मिक महत्व ही नहीं है, इसके नियम सांस्कृतिक, सामाजिक और व्यावहारिक दृष्टिकोण से भी बड़े उपयोगी हैं

आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी से कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तक की अवधि जिसमें विवाह आदि मंगल कार्य वर्जित हैं देवशयनी एकादशी से चातुर्मास आरंभ होता है और इसका समापन देवउठनी या देवोत्थान एकादशी पर होता

जैन धर्म में चौमासे का बहुत अधिक महत्व होता हैं. वे सभी पुरे महीने मंदिर जाकर धार्मिक अनुष्ठान करते हैं एवं सत्संग में भाग लेते हैं. घर के छोटे बड़े लोग जैन मंदिर परिसर में एकत्र होकर ना ना प्रकार के धार्मिक कार्य करते हैं. गुरुवरों एवं आचार्यों द्वारा सत्संग किये जाते हैं एवं मनुष्यों को सद्मार्ग दिखाया जाता हैं. इस तरह इसका जैन धर्म में बहुत महत्व है. साधुचर्या का एक शब्द है- चातुर्मास। चातुर्मास एक पारिभाषिक शब्द है, जो चार महीने की अवधि है, जिसे साधु विधिपूर्वक एक ही स्थान पर बिताते हैं। ÷चातुर्मास' शब्द का मूल अर्थ है- ÷वर्षा-योग'। ग्रामों व नगरों में वर्षा ऋतु में श्रमण, साधु, उपाध्याय व आचार्य एक स्थान पर चार महीने तक व्यतीत करते हैं। अतः इसे चातुर्मास कहते हैं। चातुर्मास आषाढ़ शुक्ल चतुर्दशी की पूर्व रात्रि से प्रारंभ होता है और कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी की रात्रि तक माना जाता है। चातुर्मास को स्थिर करने को ÷प्रतिष्ठायन' कहते हैं। चातुर्मास धार्मिक जगत की धुरी है। वर्षावास या चातुर्मास का न केवल पर्यावरण व कृषि के दृष्टिकोण से वरन् धार्मिक दृष्टिकोण से भी विशेष महत्व है। वर्षा ऋतु में जीवोत्पत्ति विशेष रूप से हो जाती है। पानी के सम्पर्क में आकर भूमि में दबे बीज अंकुरित हो जाते हैं। सीलन, फलन, फफूंद, काई की उत्पत्ति हो जाती है। त्रस व स्थावर जीवों की अधिकता के कारण उनकी विराधना की संभावना अधिक हो जाती है। जगह-जगह जल एकत्रित हो जाने से एक गांव से दूसरे गांव या शहर तक पगडण्डी द्वारा विहार संभव नहीं हो पाता है। आगम शास्त्रों में भी स्पष्ट निर्देश हैं कि चातुर्मास के दौरान साधु-साध्वियों को विहार नहीं करना चाहिए। चातुर्मास का संयोग हमारी मनःस्थिति में भरे विभिन्न प्रदूषणों को समाप्त करने के साथ ही दुष्प्रवृत्तियों को सत्य वृत्तियों में बदलने का कार्य करता है।

चिंतन में सत्प्रवृत्तियों का समावेश हो जाता है तो चरित्र में आदर्शवाद के प्रति अगाध निष्ठा उत्पन्न हो जाती है। गुरु के दिशा-दर्शन के फलस्वरूप सभी लोगों में धर्म का भाव होता है, निष्ठा होती है, श्रद्धा, समर्पण का भाव होता है। हमें हमारी संस्कृति प्रवृत्ति को, उसकी उपलब्धियों और संभावनाओं को समझकर उनके गुणों को आत्मसात करना होगा, क्योंकि हमारी परम्परा में ही हमारा जीवन-प्रवाह बना रहता है। मानव शरीर को धर्म का प्रथम साधन माना गया है। शरीर को धर्माचरण में लगाकर जीवन का सर्वोच्च लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। शरीर अन्तरात्मा का सुन्दर मन्दिर है, जब शरीर के साथ हमारे भाव और विचार अच्छे हो जाएं तो यह जीवन सार्थक बन जाएगा।

धन के वैभव से हम समृद्धि के द्वार तक पहुंच गए, किन्तु मन, वचन, काया से बहुत गरीब हो गए हैं। आधुनिक भौतिकवाद की चकाचौंध के बीच हम अपने वास्तविक आस्तत्व को भूल गए हैं, जिसने हमारे नैसर्गिक सृजन का पक्षाघात कर दिया है। धन के अनुचित संग्रह से आत्मा में मलिनता आती है। ÷धन' समुद्र का ÷खारा पानी' है, जितना हम उसको पीते हैं, उतनी ही प्यास बढ़ती जाती है। धन को धर्म के साथ जोड़कर हम आत्मीय रूप से धनवान बन सकते हैं। ÷चातुर्मास' धन और धर्म दोनों के द्वारा हमें उपलब्धियां प्रदान कर सकता है। धन-समृद्धि के दर्शन तो हम करते हैं किन्तु आत्मा के वैभव के दर्शन कराने में चातुर्मास हमें बहुत बड़ा योगदान प्रदान कर सकता है।

राष्ट्रपतिः कहां है, विपक्षी एकता?

वेदप्रताप वैदिक

अब उद्धव ठाकरे की शिवसेना भी राष्ट्रपति पद के लिए द्रौपदी मुर्मु का समर्थन करेगी। यह अपने आप में एक खबर है, क्योंकि इसका अर्थ यह हुआ कि जिस भाजपा के चलते ठाकरे की सरकार चलती बनी, उसी भाजपा के उम्मीदवार का समर्थन उन्हें करना पड़ रहा है। वे कहते हैं कि यह समर्थन उन्होंने मजबूरी में नहीं किया है। पहले भी उन्होंने प्रतिभा पाटिल और प्रणब मुखर्जी का समर्थन किया था, जबकि ये दोनों कांग्रेस के उम्मीदवार थे और शिवसेना भाजपा के साथ गठबंधन में थी। उद्धव ठाकरे का यह तर्क मजबूत दिखाई पड़ता है लेकिन इस बार दो कारण से जो पहले आजादी थी, वह अब शर्मनाक मजबूरी बन गई है। पहला तो यह है कि इस बार भाजपा ने आपको अपदस्थ कर दिया है। फिर भी आप उसके उम्मीदवार का समर्थन कर रहे हैं। दूसरा आपके सांसदों में से ज्यादातर ने साफ़-साफ़ कह दिया है कि वे मुर्मु का समर्थन करेंगे। यदि ठाकरे अपने सांसदों की बात नहीं मानते तो उन्हें पता था कि वे सब दल-बदल करके भाजपा में शामिल हो जाते। अपनी बची-खुची पार्टी को बचाए रखने के लिए यही व्यावहारिक कदम था। अब यह स्पष्ट होता जा रहा है कि मुर्मु जीतेंगी और यशवंत सिंहा हारेंगे। सिर्फ ठाकरे की शिवसेना ही नहीं कई राज्यों की प्रांतीय पार्टियां भी अब खुलकर मुर्मु के समर्थन में आ गई हैं। बहुजन समाज पार्टी, देवेगौड़ा का जनता दल, अकाली दल और झारखंड की जेएमएम भी भाजपा के उम्मीदवार का समर्थन करेगी। तेलंगाना राष्ट्र समिति ने सिंहा के समर्थन की घोषणा की है लेकिन ओडिशा की पटनायक सरकार मुर्मु का समर्थन करेंगी। कोई आश्चर्य नहीं कि आप पार्टी के नेता भी मुर्मु का समर्थन कर दें, क्योंकि कांग्रेस के साथ उनकी पंजाब और दिल्ली में तगड़ी लड़ाई है। जहां तक ममता बेनर्जी की तृणमूल कांग्रेस का सवाल है, यशवंत सिंहा उसी के पदाधिकारी थे और ममता ने ही सिंहा को राष्ट्रपति पद के लिए आगे बढ़ाया था लेकिन उनकी टक्कर में एक आदिवासी और वह भी एक महिला को देखकर उनकी उलझन ज्यादा बढ़ गई है, क्योंकि एक तो वे खुद महिला है और दूसरा तृणमूल कांग्रेस के पांच सांसद आदिवासी हैं। प. बंगाल की लगभग 40 सीटें ऐसी हैं, जिनमें आदिवासी मतदाताओं के थोक वोट ही उम्मीदवारों को विजयी बनाते हैं। ऐसे में ममता बेनर्जी का ढीला पड़ना समझ में आता है। इसीलिए वे यशवंत सिंह से बंगाल-यात्रा का आग्रह भी नहीं कर रही हैं। ममता के इस बयान से भी उनकी दुविधा झलकती है।

बच्चों को ये टेबल मैनर्स जरूर बताएं

टीवी और मोबाइल में व्यस्त रहने के कारण आजकल बच्चे टेबल पर साथ बैठकर खाना भी नहीं खाना चाहते। ऐसे में उन्हें सामान्य टेबल मैनर्स की समझ भी नहीं होती। ये टेबल मैनर्स बच्चे के व्यक्तित्व के बारे में काफी कुछ बयां करते हैं।

ये पांच टेबल मैनर्स बच्चों का जरूर सिखाएं

नैपकिन का प्रयोग करें - खाना शुरू करने से पहले हमेशा नैपकिन अपने पास रखें। उस नैपकिन के माध्यम से आप सिर्फ अपना मुंह साफ नहीं करते बल्कि अगर कुछ गिर जाए तो उसे भी साफ कर सकते हैं। तेज जुकाम के समय भी खाते समय अपने पास नैपकिन रखना आवश्यक है।

- **भोजन शुरु करने से पहले:** टेबल मैनर्स सिर्फ भोजन करते समय के लिए नहीं होते हैं। आपको भोजन शुरु होने से पहले नैपकिन को ठीक तरीके से बिछाना पड़ता है। हमेशा नैपकिन को अपने दाएं हाथ से पकड़े और फोल्ड करके अपनी गोद में रख लें। जब भी भोजन के बीच में उठना हो तो उस नैपकिन को अपनी कुर्सी के पीछे टांग दे और वापस आकर फिर अपनी गोद में रख लें।
- **मुंह बंद करके खाएं:** भोजन करते समय कभी भी बात ना करें। अगर मुंह खोलकर खाते हैं तो दूसरे इंसान के लिए वो परिस्थिति बहुत असहज हो जाती है। बता दें, खाना खाते समय अपनी कोहनी कभी भी टेबल पर ना रखें, इसे अच्छा नहीं माना जाता है।
- **कुछ भी चाहिए, तो अपने साथी को बोलें:** ये समस्या बहुत सारे बच्चों के साथ है। अगर आपको कभी कुछ खाने की चीज चाहिए तो अपने साथी को पास करने के लिए कहें। वहीं खाने के बीच में ऐसे उठना टेबल मैनर्स के खिलाफ है।
- **वेटर से बात करने का सलीका:** जब भी खाने के बीच में छोटा ब्रेक लें, अपनी चम्मच और फोर्क को वी आकार में रखें। जब भोजन खत्म हो जाए तो अपनी चम्मच और फोर्क को पैरेलल आकार में रखें। इस तरीके से आपके वेटर को खुद ही पता चल जाएगा कि अभी आपने ब्रेक लिया है या आपका भोजन समाप्त हो गया है।

बच्चों की खांसी को हल्के में न लें

मौसम में बदलाव के दौरान आमतौर पर छोटे बच्चे संक्रमण के कारण खांसी और जुखाम से पीड़ित हो जाते हैं। वैसे तो यह समस्या आम है पर इसकी अनदेखी करना ठीक नहीं है क्योंकि कई बार यह सांस की बीमारी के रुप में भी बदल जाती है। बच्चों में होने वाली कफ की यह समस्या रात के समय या बच्चे के रोने पर और भी तेज हो सकती है हालांकि ज्यादातर मामलों में यह समस्या साधारण घरेलू उपायों से ही ठीक हो जाती है। खांसी की इस तकलीफ के पीछे अधिकांशत- पैराइनफ्लूएंजा जैसे वायरस कारण होते हैं लेकिन कुछ मामले में यह बैक्टीरियल इन्फेक्शन भी हो सकता है। वायरल इन्फेक्शन आम है और इसके लक्षण 6 माह से 3 साल तक की उम्र तक के बच्चों में ज्यादा गंभीर रूप में देखने को मिलते हैं। लेकिन कई बार बड़े बच्चों को भी ये शिकार बना सकते हैं। यह एक संक्रामक बीमारी है तथा पीड़ित से दूसरों तक फ़ैल सकती है। अधिकांश मामलों में सामान्य सर्दी-जुकाम जैसे संक्रमण से जब कफ और सूजन बढ़ जाते हैं तो बच्चा एक अजीब सी आवाज में खांसने लगता है। यह खांसी रात में या बच्चे के रोने और परेशान होने पर और बढ़ सकती है। यही नहीं बच्चे को सांस लेने में भी तकलीफ होती है और इस समय भी एक अजीब सी सीटी जैसी आवाज उसके गले से निकलती है। इससे उनमें बैचेनी बढ़ सकती है और उसकी नींद में भी बाधा आ सकती है।

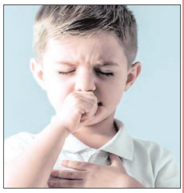

घरेलू उपचार भी कारगर

इस तकलीफ के ज्यादातर मामलों में सामान्य इलाजों के जरिये आराम पाया जा सकता है। घरेलू उपचार भी इसमें राहत देने का काम कर सकते हैं लेकिन कई बच्चों में यह एक बार होने के बाद बार-बार लौटकर आ जाता है या फिर ध्यान न देने पर गंभीर रूप भी ले सकता है। इसलिए इसका समय पर इलाज जरूरी है। इसके लक्षण आमतौर पर 5-6 दिन तक रहते हैं। इस दौरान उनका अतिरिक्त ध्यान रखना जरूरी होता है। यदि बच्चे को साँस लेने में ज्यादा दिक्कत हो, उसकी सांस लेने की गति असामान्य हो या उसकी आंखों, नाक और मुंह के आस-पास या नाखूनों के समीप की त्वचा नीली या ग्रे होने लगे तो तुरंत डॉक्टर से सम्पर्क करें। लक्षणों पर काबू में करने के लिए सामान्यतौर पर कुछ उपाय अपनाये जा सकते हैं, जिनमें शामिल हैं-

- भापयुक्त हवा या कुछ केसेस में ताजा हवा में पीड़ित को कुछ देर साँस लेने देना जिससे उसकी खांसी में आराम हो।
- बुखार, बदन दर्द आदि के लिए दवाएं देना।
- बच्चे को आराम करने देना और उसे धूल-धुएं या अन्य कफ पैदा करने वाली स्थितियों से बचाना।

बच्चों के झूठ बोलने की आदत ऐसे होगी ठीक

बच्चे में अक्सर अपनी बातें छिपाना, झूठ बोलना, आज का काम कल पर टालना, बहाने बनाना जैसी आदतें देखने को मिलती हैं। ज्यादातर बच्चे घर और स्कूल में अपने माता-पिता और टीचर्स से झूठ बोलते हैं। कई बार क्लास बंक करना, बीमारी का बहाना बनाकर असाइनमेंट पूरा न करना और स्कूल न जाने जैसी आदतों से पेरेंट्स परेशान रहते हैं। माता-पिता झूठ बोलने या बहाना बनाने पर बच्चों को डांटते-पीटते हैं मगर वो ये कारण नहीं जानना चाहते कि बच्चे को उनसे क्यों झूठ बोलना पड़ा। ऐसे में बच्चे धीरे-धीरे बिगड़ जाते हैं। बच्चों की बहनेबाजी और झूठ बोलने की आदत को इस प्रकार ठीक करें।

इस लिए झूठ बोलते हैं बच्चे

कई अभिभावक अपने बच्चों के साथ जरूरत से ज्यादा रोक-टोक करते हैं। उन्हें ऐसा लगता है कि अगर वो ऐसा नहीं करेंगे तो उनके बच्चे हाथ से निकल जाएंगे और गलत संगत में पड़ जाएंगे जबकि ऐसा नहीं है। अभिभावकों का बच्चों के साथ बात-बात पर रोक-टोक करना उन्हें झूठ बोलने के लिए मजबूर करता है।

- बच्चे भी प्राईवेसी चाहते हैं। अगर वो गलत नहीं है तब भी उन्हें अपनी बात किसी के साथ शेयर करना या सफाई देना अच्छा नहीं लगता है लेकिन कई पेरेंट्स इस बात को समझने के बजाय अपने बच्चों की छोटी-छोटी बातों पर शक करते हैं और अप्रत्यक्ष रूप से उन्हें ताने मारते हैं।
- बचपन से ही डांट-डपट कर रखने और हर बात पर टोकने से बच्चों के अवचेतन में मां-बाप के प्रति गुस्सा और घृणा भर जाती है। ऐसे बच्चे ज्यादातर समय मां-बाप से दूर रहना चाहते हैं और उन्हें कुछ भी बताने से घबराते हैं। वहीं दोस्तों के साथ उन्हें अपनी कोई भी बात शेयर करने में कोई परेशानी नहीं होती है क्योंकि दोस्तों के बीच उन्हें अपनापन महसूस होता है। इसलिए बच्चों को बचपन से प्यार दें और कुछ गलत करने या झूठ बोलने पर उन्हें प्यार से समझाएं। इस तरह बच्चे आपसे जुड़ाव महसूस करेंगे और अपनी बातें आपसे बताने में झिझक नहीं महसूस करेंगे।
- जब अभिभावक बच्चों के साथ ज्य़ादा सख्ती बरतते हैं तो डांट या सज़ा से बचने के लिए वे ऐसे तरीके अपनाते हैं। अगर अभिभावकों को भी झूठ बोलने या बहाने बनाने की आदत हो तो उन्हें देखकर बच्चे भी ऐसा ही व्यवहार करने लगते हैं।

कैसे करें बच्चों को कंट्रोल

- सबसे पहले तो आप अपने व्यवहार में बदलाव लाने की कोशिश करें, तभी बच्चे आपकी बात मानेंगे।
- बच्चों के साथ दोस्ताना व्यवहार अपनाएं, अगर उनसे कोई गलती हो भी जाए तो डांटने के बजाय प्यार से समझाएं।
- ओवर रिएक्ट करने के बजाय बच्चे को प्यार से समझाएं।
- जिस वक्त बच्चा अपनी गलती मानने को तैयार न हो, तब उसे समझाने की कोशिश न करें। थोड़ी देर बाद जब वह शांत हो जाए तो उसके सामने तार्किक ढंग से अपनी बात रखें। प्यार के साथ उसे अपनी गलतियां स्वीकारना, सुधारना और माफी मांगना सिखाएं।
- बच्चे को ज्यादा डांटे-फटकारें नहीं।
- बच्चों को कभी भी मारें नहीं और न ही उनके सामने गलत भाषा का प्रयोग करें।
- जब घर में माता और पिता दोनों ही कामकाजी होते हैं तो वो अपने बच्चों के साथ वक्त नहीं बिता पाते हैं। ये सच है कि वो अपने बच्चों को मेड और सभी जरूरी चीजें उपलब्ध कराते हैं लेकिन माता पिता को ये समझना चाहिए कि बच्चों को आपकी जरूरत है। इसलिए अगर आप वर्किंग है तब भी अपने बच्चों के साथ दिन में कम से कम 1 घंटा जरूर बिताएं। इस एक घंटे में अपने बच्चे से पूछे कि उसने दिनभर क्या किया या वो क्या सोच रहा है। इससे बच्चे आपके करीब आयेंगे।

गर्मियों में बच्चों की देखभाल ऐसे करें

गर्मी का मौसम शुरु होतें ही बच्चों को त्वचा और स्वास्थ से संबंधित समस्यायें परेशान करने लगती हैं, इनसे बचने के कुछ सरल उपाय अपनाकर आप अपने बच्चों को इस मौसम में स्वस्थ रख सकते हैं। बच्चों के शरीर को आराम देने के लिये सूती और पतले कपड़े ही पहनाये। हल्के रंग के कपड़ों का ही चुनाव करें। सूती कपड़े पहनने से शरीर को ठंडक मिलती है और ये पसीना भी सोखते हैं वहीं सिंथेटिक कपड़े में पसीना अधिक आता है जो त्वचा से संबंधित रोगों को जन्म देता है।

बच्चों को धूप में लेकर न जाये और यदि बहुत जरूरी ही हो तो उसे पूरी बाजू के सूती कपड़े ही पहनायें। बाहर निकलते समय टोपी या हैट से बच्चे का सिर ढक लें और छतरी का प्रयोग करें। शाम के समय अगर उसको प्रैम में घुमाने लेकर जायें तो गद्दियों की जगह बच्चे के नीचे सूती चादर ही बिछायें इससे उसे आराम मिलेगा। डायपर कि जगह सूती नैपी या लंगोट का अधिक प्रयोग करें इससे बच्चे को रैशेज की समस्या नही होगी। जितना हो सके बच्चे को घर में ठंडे वातावरण में ही रखें।

छ- माह से छोटे शिशुओं को पानी पिलाने की आवश्यकता नही होती। ये स्तनपान से ही अपनी इस आवश्यकता की पूर्ति कर लेते हैं। लेकिन जो बच्चे डिब्बेवाले दूध का सेवन करते हैं उन्हें उबालकर ठंडा किया हुआ पानी चम्मच से पिलाते रहें। फ्रिज में ठंडा किया हुआ चिल्ड पानी न पिलाये। छ- माह से बड़े बच्चों को लस्सी, मिल्क शेक, नारियल पानी या फलों का ताजा रस चम्मच से पिलाया जा सकता है। बच्चों को कभी भी बाहर से खरीदा हुए पेय पदार्थ और बाहर का खाना न दें। ये बच्चे को नुकसान पहुंचा सकता है। अच्छा तो यही होगा कि घर से बाहर जाते समय बच्चे के पीने के पानी और खाने का कुछ सामान हमेशा साथ ही लेकर जायें।

मौसम चाहे कोई भी हो शिशुओं के लिये मालिश तो बहुत आवश्यक होती है। इस मौसम में मालिश करते समय ये ध्यान रखें कि बच्चे के शरीर पर तेल लगा न रहे। मालिश के कुछ समय बाद उसे स्नान जरूर करवायें। आप चाहे तो नारियल के तेल से भी शिशु की मसाज कर सकती हैं इससे शिशु को ठंडक मिलेगी। नहलाने के बाद शिशु के शरीर को ठंडक देने के लिये टैल्कम पाउडर तो लगाये लेकिन अत्याधिक पाउडर न लगाये। पाउडर का ज्यादा प्रयोग करने से ये स्किन पर जम जाता है। नहाने के तुरंत बाद बच्चे को एसी रूम में यह कूलर के सामने न लेकर जाये और न ही एसी रूम से सीधे धूप में लेकर जाये इससे बच्चे का स्वास्थय बिगड़ सकता है। गर्मी के मौसम में बच्चों को पानी में खेलना बहुत भाता है। एक वर्ष से बड़े बच्चों को बाथ टब में पानी भरकर कुछ रबड़ के खिलौने डाल दें और उसमे बच्चे को खेलने दें। ध्यान रहे कि बाथ टब ज्यादा गहरी न हो। इन क्षणों में बच्चों को अकेला न छोड़े उसे लगातार वॉच करती रहें।

बच्चों को धूप से बचाने के लिये सस्ते गॉगल्स का इस्तेमाल न करें। ध्यान रहे कि गॉगल्स अच्छी क्वालिटी के हों जिससे बच्चों की आंखों पर कोई नकारात्मक प्रभाव न पड़े।

बच्चों के साथ उनके जैसा बनकर गुजारें समय

बच्चों का साथ किसे अच्छा नहीं लगता पर अधिकतर हम उन्हें जिम्मेदारी के रूप में ही देखते हैं। जबकि इनका साथ मजे और सुकून के तौर पर भी देखा जाना चाहिए। बच्चों के साथ बच्चे बन कैसे आप तनावरहित महसूस कर सकती हैं, बच्चों के साथ समय गुजारना मानो निश्चल दोस्ती। वो दोस्ती, जो आप 'कैसी हैं, कैसी नहीं' का निर्णय नहीं देती है, बल्कि आपको बिल्कुल आप जैसा ही रहने देने की पूरी आजादी देती है। बच्चों के साथ को जिम्मेदारी के बजाय मजे और सीख के लहजे से देखने की आदत डालें। इसके लिए आपको मस्ती के भी वो रंग चुनने होंगे, जो बच्चों के पसंदीदा हों। जैसे उन्हें अगर कॉमेडी फिल्म नहीं देखनी है तो उन्हें डोरेमोन ही देखने दें। आप भी उसके साथ देखें। देखने में मजा भी आएगा और आप दोनों का रिश्ता भी मजबूत होगा। अगर आपको बिना तनाव वाली जिंदगी चाहिए तो घर के बच्चों में सुकून की तलाश शुरू कर दीजिए।

दिमाग बातें करता है

ध्यान दीजिए, आपका दिमाग हमेशा कुछ न कुछ सोचता ही रहता है। कभी यहां, तो कभी वहां तक इसकी दौड़ जारी ही रहती है। ऐसे में अपने दिमाग से कहिए कि कुछ देर शांत हो जाए। और ये तब ही दौड़ लगाए, जब आप अपने बच्चे के साथ टीवी देखते हुए मजे कर रही हों। इससे होगा ये कि आप लगातार सोचने की स्थिति में होंगी ही नहीं और आखिर में वर्तमान को महसूस करने के सिवाय आपके पास कुछ नहीं होगा।

बन जाइए कार्टून

बच्चे कार्टून को कितना पसंद करते हैं, ये माता-पिता से बेहतर कौन जानता है। कैसे बच्चे कार्टून कैरेक्टर में खुद को महसूस करने लगते हैं। कैसे उन्हें पूरी दुनिया कार्टून जैसी आसान लगती है। बस आपको बिल्कुल ऐसा ही महसूस करना है।

खेल में भूलते हैं दिक्कत

जैसा कि हम सब जानते हैं कि बच्चे खेल-खेल में अपनी सारी उलझनें भूल जाते हैं। कैसे शिकायतों का पिटारा लेकर बैठा बेटा जब खेल कर लौटता है, तो आप अमूमन उसे दूसरी ही दुनिया में पाती हैं। जरा सोचिए, क्या ऐसा मन का बदलाव आपके साथ भी हो सकता है? जवाब हां है, क्योंकि ये सब कुछ संभव है।

परीक्षाओं के दौरान बच्चों के खाने-पीने का रखें ध्यान

परीक्षाओं का समय आ गया है। इस दौरान बच्चों का ध्यान अपने खान पान से हटकर सिर्फ परीक्षा को उत्तीर्ण करने की ओर चला जाता है। बच्चे पढ़ाई में इतने व्यस्त हो जाते हैं कि खाने-पीने का ध्यान ही नहीं रहता, जिसका परिणाम सेहत के साथ ही उनकी क्षमता पर भी पड़ता है। मन लगाकर ज्यादा देर तक पढ़ाई करने के लिए बच्चों को एक अच्छे आहार की ज्यादा जरुरत रहती है।

ऐसे में बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए कुछ ऐसे आहार हैं जिनको उनके आहार में शामिल करने से न सिर्फ उनका दिमाग तेज होगा बल्कि वे स्वस्थ रहते हुए अपनी परीक्षा दे सकेंगे।

भारी नाश्ते से करें शुरूआत

दिन की शुरुआत भारी और स्वस्थ नाश्ते के साथ करें। आप बच्चों के नाश्ते में जई, मुसेली, उपमा, खिचड़ी, इडली और ग्लूकोज को शामिल कर सकते है, ये सभी कम ग्लाइसेमिक का विकल्प हैं।

दूध और बादाम, बाहर के खाने से मना

दूध पीना हमेशा से फायदेमंद रहा है। दूध में विटामिन कैल्शियम, मैग्निशियम और पोटैशियम की मात्रा पाई जाती है। यह सभी पोषक तत्व याद्दाश्त बढ़ाने में मदद करते हैं। तेज मेमोरी के लिए रात में बादाम भिगोकर रखें और रोजाना सुबह बादाम का सेवन करें। आप चाहें तो बादाम के साथ अंजीर भी भिगोकर रख सकते हैं। साथ ही, परीक्षा के दौरान बच्चों को बाहर का खाना खाने ना दें। इससे बच्चों में संक्रमण होने का खतरा बढ़ सकता है। जितना संभव हो सके बाहर के खाने से बचें। कोशिश करें कि रेस्तरां का खाना ना खाएं।

चाय कॉफी का सेवन न करें

अधिक कैफीन वाली चीजों से बच्चों को दूर रखे। परीक्षा के दौरान बच्चे बहुत ज्यादा कॉफी, चाय और कोला पीना चाहते हैं, लेकिन उन्हें ऐसी चीजें देने से बचें, जिसमें कैफीन हो। उनके खाने में विटामिन को शामिल करें। परीक्षा के तनावपूर्ण समय के दौरान पानी में घुलनशील कुछ विटामिन जैसे विटामिन बी कॉम्प्लेक्स और सी शरीर के लिए आवश्यक होते है। ये मूल रूप से हमें तनाव से लडने़ में मदद करते हैं। ब्राउन चावल, मेवा, ताजा सब्जियों और फलों का सेवन करें। प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले खाद्य पदार्थ दें। अंडे, मछली, गाजर, कद्दू, हरी पत्तेदार सब्जियां, ताजे फल विटामिन ए, सी और ई की कमी को पूरा करते हैं, साथ ही, शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद करते हैं और परीक्षा के दौरान बच्चों को बीमार नहीं पडने़ देते।

एक साथ नहीं अपितु थोड़ा-थोड़ा दें

एक साथ खिलाने की बजह आप बच्चों को थोड़ी-थोड़ी मात्रा में कुछ-कुछ खाने को दें। उन्हें थोड़ी-थोड़ी मात्रा में पौष्टिक आहार दें, ये उन्हें सतर्क और चुस्त रखेगा। भारी मात्रा में भोजन करने से बच्चों को नींद और सुस्ती आ सकती है। पौष्टिक आहार में ताजे फल, सूखे मेवे, शहद, सूप और सलाद आदि बेहतर विकल्प हैं।

जरूर खिलाएँ मछली

बच्चे की मेमोरी शार्प करने के लिए आप बच्चे को मछली खिलाएं। मछली में मुख्य रूप से ओमेगा-3 फैटी एसिड पाया जाता है, जो स्मृति बढ़ाने में मदद करता है। अगर बच्चा मछली नहीं खाता है तो अलसी के बीज, कद्दू के बीज, तिल के बीज और सोयाबीन दें।

जूस पिलायें

खाने में हाइड्रेटेड के स्त्रोतों को शामिल करें। बच्चों को ताजा फलों के रस, छाछ या नींबू पानी या नींबू का रस और ग्रीन टी दें।

दें प्रोटीन वाली खाद्य सामग्री

प्रोटीन ऊर्जा का एक अच्छा और स्त्रोत है। इसलिए खाने में प्रोटीन के स्त्रोत जैसे- अंडा, पोहा, इडली, डोसा, ढोकला आदि शामिल करें। ये रक्त और मस्तिष्क में टाइरोसीन (एमिनो एसिड) को बढ़ाता है, ये तंत्रिका कोशिकाओं के निर्माण में भी मदद करता है। साथ ही, बच्चों को सतर्क और सक्रिय बनाए रखने में भी सहायक है।

जंक फूड और चॉकलेट से बनाएं दूरी

बच्चे को बहुत अधिक चीनी और मीठी चीजे ना दें। चॉकलेट, कुकीज आदि रक्त में शर्करा के स्तर को बढ़ा सकते है। ऐसे में पेट खाली सा लगता है और जल्दी-जल्दी भूख लगने लगती है। बच्चे को जंक फूड का भी सेवन नहीं करने दे।

एक साथ जन्में 4 बच्चों को 53 दिनों के उपचार पश्चात एसएनसीयू से किया डिस्चार्ज

रितेश कटरे ब्यूरो चीफ पुष्पांजलीं टुडे

बालाघाट। 23 मई 2022 को जिला चिकित्सालय बालाघाट में किरनापुर तहसील के ग्राम जराही की 26 वर्षीय प्रीति नंदलाल मेश्राम ने एक साथ 04 बच्चों को जन्म दिया था। इनमे तीन लड़के एवं 01 लड़की शामिल है। जन्म के समय इन शिशुओं की हालत बहुत नाजुक थी और उनका जीवित रह पाना मुश्किल लग रहा था। लेकिन आज 14 जुलाई 2022 को 53 दिनों के उपचार के बाद स्वस्थ्य होने पर जिला चिकित्सालय बालाघाट की गहन शिशु चिकित्सा ईकाई एसएनसीयू से इन शिशुओं को डिस्चार्ज कर दिया गया है। शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ निलय जैन के नेतृत्व में डॉ सुधा जैन, डॉ ज्योत्सना मेश्राम एवं एसएनसीयू की पूरी टीम ने अथक परिश्रम कर इन चारों शिशओं को नया जीवन दिया है। एक साथ चार बच्चों के जन्म लेने एवं उनके जीवित रहने का यह बालाघाट जिले में अपनी तरह का पहला मामला है।

खिलौने एवं कपड़े उपहार में दिये गये

ग्राम जराही की प्रीति एवं नंदलाल मेश्राम अपने चारों शिशुओं को लेकर एम्बुलेंस से अपने गांव पहुंच गये है। 51 दिनों के उपचार के बाद इन शिशुओं की एसएनसीयू से बिदाई के समय सिविल सर्जन डॉ संजय धबड़गांव भी मौजूद थे। इस अवसर पर डॉ निलय जैन ने चारों शिशुओं को पौष्टिक आहार प्रदाय करने के लिए उनके माता-पिता को अपने स्वयं की ओर से 02 हजार रुपये की राशि प्रदान की। पत्रकार श्री अनिल नामदेव ने भी इन शिशुओं के लिए 01 हजार रुपये की राशि प्रदान की है। बिदाई के समय चारों शिशुओं के लिए एसएनसीयू के स्टाफ की ओर से उपहार स्वरूप कपड़े एवं खिलौने भी प्रदान किये गये। सिविल सर्जन डॉ संजय धबड़गांव ने इन शिशुओं को उनके गांव तक पहुंचाने के लिए जिला चिकित्सालय की ओर से निःशुल्क एम्बुलेंस की व्यवस्था कराई।

डॉ निलय जैन ने बताया कि भर्ती के समय चारों शिशुओं की हालत अत्यधिक गंभीर थी एवं बचने कि संभावना नही लग रही थी। इस बच्चो को शुरू में मुंह से कुछ नही दिया गया। डॉ. निलय जैन ने बताया कि प्रतिदिन उनके सारे ब्लड टेस्ट एवं अन्य जॉचे कराई जा रही थी। शुरू के दिनो में शिशुओं की असाधारण स्थिति थी और शुरूवाती दिनो में यह दुध पीने में असमर्थ थे। शिशुओं को 10 जून से नली द्वारा दुध दिया जाने लगा । चारों शिशु दिनॉक 23 मई से 14 जुलाई 2022 तक निरंतर जीवन रक्षक दवाईयो एवं आक्सीजन पर रहे हैं। 10 जून से इन शिशुओं के स्वास्थ्य में सुधार आने लगा और इन शिशुओं को 10 जून से नली द्वारा दुध दिया जाने लगा था। 24 से 26 जून के बीच इन शिशुओं को आक्सीजन से निकाल दिया गया था। शिशुओं की प्लेटलेट्स कम होने के कारण 28 मई, 08 जून एवं 04 जुलाई को ब्लड लगाया गया है। 26 जून से इन शिशुओं को कटोरी चम्मच से दुध देना शुरू कर दिया गया था। स्थिति में लगातार सुधार होने पर 10 जुलाई से चारों शिशुओं को चस्ष्ट (कंगारू मदर केयर) दिया जाने लगा है। जन्म के समय चारों शिशुओं का वजन लगभग 01-01 किलोग्राम था और आज डिस्चार्ज के समय इन शिशुओं का वजन 01 किलोग्राम से अधिक हो गया है।

इनका रहा विशेष योगदान

डॉ निलय जैन ने बताया कि वह सब जिला चिकित्सालय के एस.एन.सी.यू. में पदस्थ समस्त स्टाफ नर्स एवं कर्मचारियों की मदद से सभंव हो पाया है जिन्होने बच्चों कि देख रेख में कोई कमी नही रखी। इसके अलावा इन बच्चों को मिले जीवन दान का श्रेय बच्चों के माता पिता को भी जाता है। जिन्होने एस.एन.सी.यू. के डॉ. एवं स्टाफ पर पूरा भरोसा जताया।

53 दिनों तक एसएनसीयू में लगातार भर्ती रहने से इन शिशुओं के साथ स्टाफ नर्स छाया पारधी, भूमिका पटले, मिंटी मचाड़े, ज्योति पडवार, इमलेश्वरी क्षीरसागर, संगीता चौधरी, तरूणा पंचेश्वर, प्रीति शेंडे, सुप्रिया बौद्ध, प्रिया नागेश, स्वाति खरे, तरूनी गौतम, सुनीता रहांगडाले, दीपशिखा सुखदेवे, रश्मि जैतवार, मीनाक्षी रंगारे, सविता साहू, दीक्षा राणा, नेहा क्षीरसागर, प्रगति डहाटे, मनीषा खरोले, डाटा एंट्री आपरेटर मीना हलकारे, लैब टैक्निशियन, वार्ड बाय अजय नगपुरे, हितेश, नीतेश, आया रजनी ठाकुर, रेखा बंदिया, जान्वी बर्वे, स्वीपर स्वाति एवं अनिता गेलवले का भी लगाव हो गया था और उनकी जीवन रक्षा में सभी ने अपना सराहनीय योगदान दिया है।

नगर परिषद चुनाव 2022 पिछोर शिवपुरी शांति पूर्वक संपन्न

पिछोर एसआई शैलेंद्र सिंह चौहान नगर परिषद चुनाव में मुस्तैदी के साथ ड्यूटी करते हुए

राकेश परिहार, पुष्पांजली टुडे

पिछोर, नगर परिषद चुनाव 2022 पिछोर शिवपुरी शांतिपूर्वक संपन्न हुए जिसमें पिछोर थाना प्रशासन मुस्तैदी के साथ ड्यूटी करते हुए नजर आए पिछोर थाना पुलिस की सराहनीय भूमिका रही नगरी निकाय चुनाव को लेकर कहीं पर कोई दंगा नहीं हो पाया और ना ही किसी प्रकार की असुविधा मतदाता करने वाले व्यक्तियों को कहीं कोई परेशानी से नहीं जूझना पड़ा एक सराहनीय भूमिका पुलिस प्रशासन द्वारा चुनाव में रही जिसमें पिछोर एसआई शैलेंद्र सिंह चौहान द्वारा अपनी टीम के साथ फील्ड में डटकर ड्यूटी करते हुए एवं समस्त थाना पुलिस ने ग्राम से लेकर नगर परिषद चुनाव तक दिन-रात जाकर अपनी ड्यूटी निभाई जिसमें समस्त पिछोर थाना टीम में पंचायत चुनावों से लेकर नगर परिषद चुनाव शांति पूर्वक करवाएं साथ ही पंचायत चुनाव से लेकर नगर परिषद चुनाव 2022 पिछोर शिवपुरी संपन्न हुए

नगरीय निकायों की मतगणना के दौरान मोबाइल का उपयोग रहेगा प्रतिबंधित...

केशब पंडित जी अम्बाह...

मुरैना... 14 जुलाई 2022/सचिव राज्य निर्वाचन आयोग श्री राकेश सिंह ने जानकारी दी है कि नगरीय निकायों के आम निर्वाचनों की मतगणना के दौरान मोबाइल फोन का उपयोग मतगणना कार्य में बाधक होता है तथा मतगणना कार्य की गोपनीयता भंग होने की संभावना बनी रहती है। मतगणना भवन तथा परिसर में मोबाइल फोन का उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित किया गया है। इसमें पत्रकार भी शामिल हैं। निर्वाचन पर्यवेक्षण के लिए आयोग द्वारा नियुक्त प्रेक्षक इस प्रतिबंध से मुक्त रहेंगे, जिससे वे आयोग से सतत सम्पर्क में बने रहें। श्री सिंह ने कहा है कि निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी और उसके निर्वाचन एवं गणना अभिकर्ता की मतगणना स्थल पर प्रवेश के दौरान जाँच की जाएगी और मोबाइल लाने पर मतगणना स्थल में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। इस संबंध में सभी अभ्यर्थियों और मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों को पूर्व से अवगत कराने के निर्देश दिए गए हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं मतगणना कार्य से सम्बद्ध अधिकारियों द्वारा आयोग से सम्पर्क के लिए मतगणना स्थल के समीप ही एक कक्ष में दूरभाष स्थापित किये जाने की व्यवस्था पूर्व से ही की जाती रही है।

गुरू पुर्णिमा का महोत्सव मनाया

पुष्पाजंली टुडे

बेंगलूरू- मैसूर रोड़ स्थित राजपुरोहित समाज भवन के परिसर में गुरु पूर्णिमा महोत्सव मनाया गया द्य इस भजन संध्या एंव महाप्रसादी के लाभार्थी सुखदेवसिंह राजपुरोहित धरमधारी का समाज बन्धुओ ने सम्मान किया । इस अवसर पर मुख्य अतिथि नरपतराज राणावत, भंवरराज सांथू, जितेंद्र जैन, नरपतसिंह चम्पावत, अनिल जैन,लेखराज खत्री उपस्थित थे ।बुधवार शाम 7 बजे धर्म गुरू खेतेश्वर दाता की प्रतिमा स्थापित की गई। उसके बाद महाआरती के साथ ज्योत प्रज्वलित कर महोत्सव का शुभारंभ हुआ। भजन गायक कलाकार उम्मेदसिंह ,सुमेर सिंह, पर्वत सिंह राजपुरोहित,चाँद सिंह भाटी,नारायणसिंह,भेरूसिंह ,जोर सिंह,हड़मत बंजारा, अशोक गोयना की ओर से गणेश वंदना के साथ शुभारंभ करते हुए राजस्थानी लोक भजनों की प्रस्तुति दी गई द्य भजनों पर भक्त भाव विभोर होकर देर रात झूमते रहे द्य इस अवसर पर विलिकेरे केमदोड्डी मैसूर बन्नूर गांव से भक्तगण पहुंचे । इस अवसर पर बन्नूर गांव से समाजसेवी महेंद्रसिंह राजपुरोहित, राजेन्द्र सिंह राजपुरोहित, हरीसिंह ,पिन्टुसिंह, ढगलसिंह,बाबूसिंह,हड़मत , विनोद , मंगलजी, वाघजी रेवतड़ा,मीठालाल ,मांगीलाल सहित बड़ी संख्या में समाज के पदाधिकारी व सदस्यगण उपस्थित रहे द्य

निधन पर शोक सभा आयोजित की

ब्यूरो पुष्पांजली टुडे

सीहोर।मध्यप्रदेश लिपिक वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ एवं कलेक्ट्रेट कर्मचारी संघ द्वारा बड़ा बाजार स्थित कार्यालय पर कलेक्टर कार्यालय के प्रभारी अधीक्षक सुरेश श्रीवास्तव की माताजी श्रीमती आशादेवी श्रीवास्तव का 87 वर्ष की आयु में निधन हो जाने पर शोक सभा आयोजित की गई। शोक सभा में मध्यप्रदेश लिपिक वर्ग कर्मचारी संघ के संरक्षक जे.बी.सिंह स्टेनो कलेक्टर, राजेन्द्र मिश्रा लिपिक संघ जिलाध्यक्ष, लिपिक संघ जिला सचिव सुन्दरलाल राठौर, अरुण ठाकुर, बी.एस.पेठारी, राजेन्द्र शर्मा, अजय मालवीय, दिग्विजयसिंह, रामनारायण परमार, चन्द्रकांता गुप्ता, चन्द्रकांता जोशी, तहसील अध्यक्ष अंशुल शर्मा, लखनलाल धावरे, मंसूर अली, राजेन्द्र झलावा, सुदीप तोमर पटवारी, कमल पारिक आदि उपस्थित थे।

जनपद पंचायत खनियाधाना की ग्राम पंचायत पहाड़ा खुर्द में नहीं मिल रहा बच्चों को मध्यान्ह भोजन बच्चे मध्यान भोजन के एक एक रोटी के टुकड़े को मोहताज

शासकीय प्राथमिक विद्यालय पहाड़ा खुर्द में बच्चे घर से टिपिन ले जाकर करते हैं गुजारा

हरिओम परिहार पुष्पांजली टुडे

खनियाधाना। जनपद पंचायत खनियाधाना की ग्राम पंचायत पहाड़ा खुर्द में छोटे मासूम बच्चों के साथ भ्रष्टाचार बच्चों को मध्यान्ह भोजन सपनों में भी नसीब नहीं हो रहा है ऐसी दुर्दशा बच्चों के साथ चल रही है मध्यान भोजन के एक एक रोटी के टुकड़े को मोहताज है स्वसहता समूह द्वारा मनमानी एवं भ्रष्टाचार बच्चों का माध्यम भोजन को डकार आ जा रहा है और वरिष्ठ अधिकारी चुप्पी साधे बैठे हुए हैं जब गांव पर कोई शासकीय प्राथमिक विद्यालय के पास पत्रकार जाता है तो उसको धमकी दी जाती है संस्था

स्व सहायता समूह द्वारा बच्चों का मध्यान भोजन डकारा जा रहा है वरिष्ठ अधिकारी चुप्पी साधे बैठे हैं मौन

समूह द्वारा कि बेटा तुझे किसी जाल में फंसा दिया जाएगा या फिर इस गांव से निकल दिया जाएगा नहीं तो तेरा बुरा अंजाम होगा हर समय पत्रकार को धमकी पर धमकी दी जाती है और किसी ना किसी केस कयमी करवाता रहता है तो किसी पर हरिजन एक्ट की धारा तो किसी पे 354 की कायमी तो किसी पे 76 लगाने का प्रयास करता रहता है

नुक्कड़ नाटक कर ट्रक ड्राइवर्स एवं क्लीनर्स स्वच्छता विषय पर किया जागरूक

फैमिली प्लानिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया की

दैनिक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर । ग्वालियर ब्रांच द्वारा इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड रायरू डिपो के सहयोग से रायरू डिपो पर ट्रक ड्राइवर्स को स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया इसमें युवा कलाकारों द्वारा हास्य गाने एवं चुटकुलों के माध्यम से ग्वालियर को स्वच्छ करने का किया संकल्प कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड रायरू डिपो के वरिष्ठ महाप्रबंधक श्री बी.वी सुब्रमण्यम जी उपस्थित थे उन्होंने अपने उद्बोधन में सभी अपने आस पास स्वच्छ रखने के अपील की एवं कचड़े को डस्टबिन में डालने का निवेदन किया कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के ऑपरेशन प्रबंधक श्री अंकित गौड़ जी उपस्थित थे। उन्होंने सभी ड्राइवर्स को मौसमी बीमारियों से बचाव पर जानकारी दी। कार्यक्रम में कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था की शाखा प्रबंधक श्रीमती नीलम दीक्षित जी ने की साथ ही उन्होंने सभी को संस्था द्वारा चलाए जा रहे ट्रक ड्राइवर्स की नवीन योजनाओं पर जानकारी दी। साथ ही उन्होंने आस पास स्वच्छ रखने के फायदों पर भी प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में संस्था के कार्यक्रम अधिकारी श्री अच्छेंद्र सिंह कुशवाह उपस्थित थे।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रबंधक इंडियन ऑयल के श्री गोवर्धन कुमावत जी उपस्थित थे।

कार्यक्रम को सफल बनाने में युवा टीम दीपाली माहोर,हेमलता जी,सोनिया सिंह,शिवानी पाल,सोनम जाटव,प्रदीप भटनागर द्वारा अपनी अहम भूमिका निभाई।

कार्यक्रम में लक्ष्यगत हस्तछेप परियोजना की ओर से डॉ। पीयूष गौड़ ,जितेंद्र शाक्य,सलमान खान,कल्याण रघुवंशी,सोबरन रघुवंशी का सहयोग रहा।

नाटक के माध्यम से कुल 200 ट्रक ड्राइवर्स एवं क्लीनर्स को जागरूक किया एवं उन्हें सपथ दिलाई।

कार्यक्रम के अंत में इंडियन ऑयल की ओर से बिजनेस असिस्टेंट श्री मनोज यादव जी द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया।

महावीर इंटरनेशनल के 48 वें स्थापना दिवस पर देशव्यापी बेबी किट वितरण व ब्रेस्टफीडिंग जागरूकता अभियान के अंतर्गत लांजी में कार्यक्रम आयोजित किया गया - विशाल राउत खोंगल

रितेश कटरे ब्युरो चीफ पुष्पांजलीं टुडे

बालाघाट। महावीर इंटरनेशनल लांजी जिला बालाघाट रीजन-9 के अंतर्गत लांजी केंद्र में निशुल्क बेबी किट एवं ब्रेस्टफीडिंग जागरूकता अभियान के अंतर्गत बेबी किट का वितरण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शासकीय चिकित्सालय लांजी ,जिला- बालाघाट किया गया। महावीर इंटरनेशनल रीजन-9 के डिप्टी डायरेक्टर एवं महावीर इंटरनेशनल लांजी केंद्र के अध्यक्ष विशाल राउत खोंगल ने बताया महावीर इंटरनेशनल अपेक्स के द्वारा वात्सल्य प्रोजेक्ट के अंतर्गत यह अभियान कार्यक्रम पूरे देश में एक साथ किया जा रहा है जिसके अंतर्गत जन्म से छः माह तक- स्तनपान÷महावीर इंटरनेशनल का यही संकल्प - मां के दूध का न कोई विकल्प।

अब गांव -शहर सब जाएंगे-बात यही दोहराएंगे। जन्म से लेकर छः माह तक 'न ऊपर से दूध न पानी- सिर्फ माँ का दूध'

नवजात शिशुओं को प्रारम्भिक संक्रमण से बचाव हेतु। यह कार्यक्रम महावीर इंटरनेशनल के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष वीर श्री शांति कुमार जैन जी, अंतर्राष्ट्रीय महासचिव वीर श्री अनिल जैन जी ,वात्सल्य प्रोजेक्ट एवं गरिमा प्रोजेक्ट के प्रमुख श्रीमती वीरा रश्मि सारस्वत जी, के मार्गदर्शन में महावीर इंटरनेशनल रीजन-9 अंतराष्ट्रीय उपाध्यक्ष वीर श्री सोहन वैद्य जी ,महावीर इंटरनेशनल महाकौशल जोन चेयरमैन वीर श्री सुशील जैन जी के मार्गदर्शन मे पूरे देश में 112 से अधिक केंद्रों ने 6000 बेबी किट का निःशुल्क वितरण किया गया वंही नवजात शिशु व मां के उत्तम स्वास्थ्य के लिए स्तनपान जागरूकता पोस्टर से जनजागृति कर सेवा सप्ताह में सामुहिक रूप से देशभर में ऐतिहासिक प्रोजेक्ट करने का लक्ष्य प्राप्त किया। महावीर इंटरनेशनल लांजी* द्वारा महावीर इंटरनेशनल के 48 वें स्थापना दिवस के उपलक्ष में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र विकासखंड (शासकीय अस्पताल)लांजी, जिला बालाघाट (म प्र) में एवं स्थानीय हॉस्पिटल नर्सिंग होम हॉस्पिटल में जाकर बेबी किट वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

'मातृत्व एवं शिशु स्वास्थ्य योजना

स्तनपान जागरूकता अभियान÷पूरे जिले में और क्षेत्र में महावीर इंटरनेशनल के सेवा कार्य निरंतर प्रयासरत सब की सेवा सबको प्यार जियो और जीने दो के सहयोग की भावना से मानव सेवा में सतत प्रयासरत है

महावीर इंटरनेशनल का यही संकल्प मां के दूध का ना कोई विकल्प

इस अभियान के तहत जागरूकता पोस्टर लगाए गए सभी अस्पतालों में पहुंचकर प्रसूति वार्ड में स्तनपान जागरूकता के बैनर लगाए गए एवं बच्चों के लिए मां का दूध 6ɜ महीने के लिए अमृत्तुल्य होता है इस अभियान के तहत लोगों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम में सर्व श्री झंकार किरनापूरे ,समाजसेवी, श्री प्रदीप गेडाम चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी खंड लांजी , श्रीमती डॉ सुजाता गेडाम जी ,श्रीमती सरिता टिकारे, रामकुमार खरगाल, अरशद खान, प्रवीण उमरे,फनींद्र दुरुगकर , भूपेश करांहे, यशवंत लिल्हरे,अंचल कालबेले, नेहल गौतम, नवीन टेमरे, नितिन हरिनखेडे विजय कुथे ,जगन्नाथ दादू नाकतोड़े ,मोनू अग्रवाल, बृजेश अग्रवाल ,रविंद्र पारधी इंद्रकुमार राजा भूते, पप्पू कावडे, कोमल काड़े, यशवंत लिल्हारे, राधेश्याम नखाते नंदकिशोर बिलावर , डॉ दुर्गेश तिडेक, उमाकांत उपराडे डॉक्टर दिनेश बेदरे महेंद्र कुथे रोहन अस्तने तपेश कालबेले धनंजय ठाकरे दिनेश तिड़के, मुकेश कोल्हे , पवन उमरे भानु दोनाडकर एवं सभी सदस्यों का सहयोग उत्साह सराहनीय रहा ।

प्रदेश में भारी बारिश भोपाल सहित 16 जिलों में अलर्ट

ताप्ती खतरे के निशान से ऊपर, हरदा में हालात बेकाबू ,इंदौर में कार बही

भोपाल। प्रदेश में बारिश का दौर जारी है। नदी-नाले उफान पर हैं। ताप्ती और कुंदा नदी खतरे के निशान से ऊपर है। इंदौर में बुधवार रात झमाझम से कई इलाकों में घुटनों तक पानी भर गया। शहर के बीच चंद्रभागा इलाके में कारें आधी डूब गईं। पानी घरों में भी घुस गया। चंद्रभागा इलाके में कार बह गई। यहां पर 24 घंटे में 2.87 इंच पानी गिरा। हरदा में हालात बेकाबू हैं। मौसम विभाग ने भोपाल सहित 16 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है। 24 घंटे में खंडवा में 6.53 इंच, इंदौर में 2.87 इंच, छिंदवाड़ा में 2.04 इंच, भोपाल में 1.57 इंच, उज्जैन में 1.37 इंच पानी गिरा।

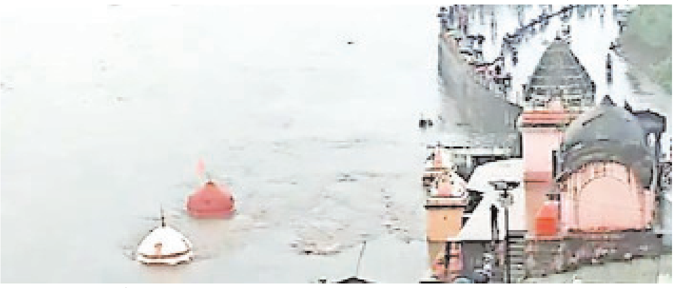

नर्मदापुरम संभाग में रेड अलर्ट

नर्मदापुरम संभाग में आज बारिश का रेड अलर्ट है। कैचमेंट एरिया में लगातार हो रही बारिश से सारनी डैम के गेट खोलने पड़े। इससे तवा बांध में पिछले 48 घंटे में पानी 12 फीट तक बढ़ गया और लगातार बढ़त जारी है। तवा डैम में अभी तक पानी 1155.80 फीट पर आ गया है। 31 जुलाई के पहले लेवल 1158 फीट पर रखने की गाइडलाइन है। इस लेवल पर पानी आते ही तवा बांध के गेट खोल दिए जाएंगे। जल संसाधन विभाग के एसडीओ एनके सूर्यवंशी ने बताया कि कैचमेंट एरिया में अगले 4-6 घंटे में तेज बारिश हुई तो बांध से पानी छोड़ा जाएगा। तवा के अगर गेट खुलते हैं तो नर्मदा का उफनाना तय है। नदी किनारे बाढ़ का खतरा है।

ताप्ती खतरे के निशान से ऊपर

बुरहानपुर में ताप्ती नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। नदी के जैनाबाद पुल को छूकर पानी बह रहा है। प्रशासन ने घाटों पर अलर्ट जारी कर यहां लोगों के आवागमन पर रोक लगा दी है। निचली बस्तियों को भी अलर्ट कर यहां पानी घुसने की स्थिति में तुरंत मकान खाली करने को कहा है। रात के समय ऐसी स्थिति बन सकती है।

इंदौर में झमाझम, घुटनों तक भरा पानी

इंदौर में बुधवार रात हुई भारी बारिश से कई इलाकों में घुटनों तक पानी भर गया। रात 12 बजे से नगर निगम के कंट्रोल रूम के कई अधिकारियों ने मोर्चा संभाला। शहर के बीच चंद्रभागा इलाके में तो कारें आधी डूब गईं। बारिश का पानी घरों में भी घुस गया। चंद्रभागा इलाके में कार बह गई। इसमें चार लोग सवार थे, उन्हें बमुश्किल बचाया गया। गुरुवार सुबह 8 बजे तक चौबीस घंटे में करीब 3 इंच पानी गिर चुका है।

हरदा में बाढ़ से हालात खराब

बैतूल और हरदा जिले में मंगलवार शाम से हुई जोरदार बारिश से दोनों जिलों में नदी-नाले उफान पर हैं। हरदा में अजनाल नदी में बाढ़ आने से नर्मदापुरम-खंडवा स्टेट हाईवे सुबह 11 से रात 12 बजे तक 13 घंटे बंद रहा। सिवनी मालवा और टिमरनी के बीच गंजाल नदी में बाढ़ से स्टेट हाईवे सुबह 6 से दोपहर 2 बजे तक बंद रहा। हरदा का नर्मदापुरम और खिरकिया का सड़क संपर्क कटा रहा। अजनाल नदी में बाढ़ से शहर के निचले इलाकों में 5-7 फीट पानी रहा। इन इलाकों के 3900 लोगों को नाव से निकालकर धर्मशाला और सरायों में ठहराया गया है।

आज 16 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट

आज भोपाल-उज्जैन संभाग, इंदौर समेत मालवा, निमाड़, महाकौशल और बुंदेलखंड के 16 जिलों में तेज बारिश हो सकती है। यहां के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। नर्मदापुरम संभाग के कई शहरों और खंडवा, बुरहानपुर में बारिश का रेड अलर्ट जारी हुआ है। यानी यहां भारी से भारी बारिश हो सकती है।

बाढ़ या जलभराव हो, तो इन नंबरों पर करें कॉल

बारिश की वजह से राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। यदि कहीं बाढ़ के हालात हैं या फिर जलभराव हुआ है, तो टोल फ्री नंबर 1070 और 1079 पर कॉन्टैक्ट किया जा सकता है। 52 जिला मुख्यालयों पर इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर (EOC) स्थापित किए गए हैं। 96 क्विक रिस्पॉन्स टीम (QRT) भी कार्य कर रही है।

इसलिए हो रही बारिश

मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक दक्षिणी ओडिशा तट के पास निम्न दाब क्षेत्र चक्रवातीय गतिविधियों के रूप में सक्रिय है। मानसून ट्रफ जैसलमेर-कोटा, गुना, रायसेन, मंडला, रायपुर, झारसुगुड़ा और एक साफ निम्न दाब क्षेत्र से होते हुए पूर्व मध्य बंगाल की खाड़ी तक फैली है। पूर्व से पश्चिम की तरफ हवाएं सक्रिय हैं। पंजाब के ऊपर अन्य चक्रवातीय गतिविधियां सक्रिय हैं। इसके कारण भोपाल, मंदसौर, आगर, नरसिंहपुर, रतलाम, नीमच, राजगढ़, उज्जैन, हरदा, देवास, शाजापुर, सिवनी, नर्मदापुरम, सीहोर, बैतूल और छिंदवाड़ा में अच्छी बारिश हो रही है। 17 जुलाई तक तेज बारिश का दौर जारी रहेगा। खासकर पूर्वी मध्यप्रदेश यानी जबलपुर, शहडोल, भोपाल और नर्मदापुरम में भारी बारिश होगी।

पांच करोड़ लोगों को लगाई जाएगी कोरोना की सतर्कता डोज

प्रदेश में 18 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को मुफ्त लगेगी वैक्सीन

भोपाल। प्रदेश में 18 साल से ऊपर के पांच करोड़ लोगों को सतर्कता डोज लगाई जाएगी। उन्होंने बताया कि 18 साल से ऊपर के प्रदेश में करीब पांच करोड़ 49 लाख लोग हैं। राज्य टीकाकरण अधिकारी डा. संतोष शुक्ला ने बताया कि प्रदेश में भी शुक्रवार से 18 साल से ऊपर के

लोगों को सतर्कता डोज लगाई जाएगी।

मध्य प्रदेश में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है। इनमें स्वास्थ्य कर्मियों, अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों और 60 साल से ऊपर के लोगों और निजी अस्पतालों में सतर्कता डोज लगवाने वाले 18 से 59 वर्ष के लोगों को मिलाकर 22 लाख 38 हजार को सतर्कता डोज लग चुकी है। कोरोना संक्रमित हुए जिन्हें अभी छह महीने पूरा नहीं हुआ है उन्हें टीका नहीं लगाया जाएगा। इसके अलावा जिन्हें दूसरी डोज लगे हुए छह महीने नहीं हुआ उन्हें भी सतर्कता डोज नहीं लगेगी।

इस तरह करीब पांच करोड़ लोगों को सरकारी अस्पतालों में निःशुल्क सतर्कता डोज लगाई जाएगी। केंद्रीय कैबिनेट ने 18 साल से अधिक उम्र के नागरिकों को कोरोना से बचाव के लिए बूस्टर डोज निःशुल्क लगाने का निर्णय लिया है। इस बारे में मुख्यमंत्री ने कहा कि जनहितकारी निर्णय के लिए प्रधानमंत्री अभिनंदन के पात्र हैं।

उन्होंने कहा कि इससे पहले वैक्सीन की दोनों डोज निःशुल्क लगाने का निर्णय लिया था। इस फैसले का लाभ मिलने से कोरोना महामारी की तनिक भी आशंका शेष नहीं रहेगी। सभी नागरिक पूरी सुरक्षा का अनुभव करेंगे। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आयोजित केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में बूस्टर डोज को 75 दिनों तक निःशुल्क लगाने का निर्णय लिया गया है। व्यवस्था 15 जुलाई से प्रभावशील होगी। केंद्र सरकार ने इससे पहले बूस्टर डोज की अवधि नौ माह से घटाकर छह माह कर दी। इस निर्णय को प्रशंसनीय बताते हुए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया है।

नगरीय निकाय चुनाव शांतिपूर्ण होने पर गोहद थाना प्रभारी ने जनता का किया अभिवादन

मोनू बाथम पुष्पांजली टुडे

गोहद ट्रपुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह चौहान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश कुमार खरपुसे के मार्गदर्शन में एसडीओपी सौरभ कुमार के निर्देशन में थाना प्रभारी राजेश सातनकर ने ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकाय के सभी वार्डों में नगरीय निकाय चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से होने पर आम जनता का अभिवादन किया थाना प्रभारी मय पुलिस फोर्स के थाना परिसर से निकलकर नया बस स्टैंड इटायली गेट सदर बाजार दाऊजी मंदिर भानु घटिया सत्ती बाजार गंज बाजार होते हुए गोलंबर पहुंचे जहां रास्ते भर मतदाताओं से शांतिपूर्ण मतदान करने के लिए उनको धन्यवाद कहा साथ ही पुलिस और प्रशासन द्वारा सभी का अभिवादन करते हुए कहा कि नगर के नागरिक इसी तरह से शांति का परिचय दिया करें बाजार की गलियां जहां सकरी हैं वहां ट्रैफिक व्यवस्था की भी ध्यान रखें जिससे आवागमन में बाधा उत्पन्न ना हो साथ ही अपने अपने प्रतिष्ठानों पर सीसीटीवी कैमरे भी लगवाए एवं पुलिस प्रशासन का इसी तरह से हमेशा सहयोग करते रहे पुलिस प्रशासन सदैव व्यापारियों के साथ रहकर उनकी रक्षा के लिए हमेशा तत्पर है जिस प्रकार से नगरीय निकाय चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुए उसके लिए समस्त नगरवासियों का तहेदिल से धन्यवाद किया इस अवसर पर उप निरीक्षक ब्रजमोहन सिंह भदोरिया, वीरेंद्र गुप्ता, सुरजीत तोमर, एएसआई एम एल डोंगर एसडी मिश्रा कोशलेंद्र सिंह सहित समस्त पुलिस फोर्स शामिल था

फर्जी दस्तावेज लगाकर पूर्व सीईओ ने निकाले लाखों रुपए

ग्रेच्युटि के 32 लाख रुपये निकालने का आरोप, केस दर्ज

भोपाल। सेंटर फार रिसर्च एन्ड इंडस्ट्रियल स्टाफ परफार्मेंस (क्रिस्प) के पूर्व सीईओ मुकेश शर्मा ने ग्रेच्यूटि की राशि बढाकर जमा कराई। इसके बाद सेवानिवृत्त होने से पहले ही फर्जी दस्तावेज लगाते हुए ग्रेच्युटि की राशि के 32 लाख रुपये निकाल भी लिए। संस्थान ने मई माह में शर्मा को पद से हटा दिया था। पुलिस ने शिकायत के आधार पर उनके खिलाफ धोखाधड़ी, जालसाजी करने का केस दर्ज कर लिया है। श्यामला हिल्स थाने के एसआई रवींद्र सिंह ने बताया कि तुषार सेंडे क्रिस्प संस्थान में एचआर मैनेजर के पद पर पदस्थ हैं। उन्होंने थाने में शिकायती आवेदन दिया था। उसमें बताया था कि संस्थान में सीईओ के पद पर रहे मुकेश शर्मा ने सेवानिवृत्त होने के पहले ही अपनी ग्रेच्युटि की राशि के 32 लाख रुपये निकाल लिए हैं। सेंडे ने यह भी बताया कि सीईओ शर्मा की ग्रेच्युटि की राशि 20 लाख रुपये के आसपास बनती है, लेकिन उन्होंने फर्जीवाड़ा करते हुए उसे बढ़ाकर 32 लाख रुपये कर लिया था। मुकेश शर्मा को संस्थान से मई-2022 में हटा दिया गया था। पुलिस उनकी तलाश कर रही है।

आडिट में सामने आई गड़बड़ी

संस्थान के अकाउंट का आडिट होने पर यह गड़बड़ी सामने आई है। शिकायत के आधार पर तत्कालीन सीईओ मुकेश शर्मा के खिलाफ धोखाधड़ी, जालसाजी करने का केस दर्ज कर लिया है।

कर्मचारियों की भी मिलीभगत

एसआई सिंह ने बताया कि इस मामले में फर्जी दस्तावेज तैयार करने में संस्थान के भी कुछ कर्मचारियों की मिलीभगत होने की संभावना है। इसकी जांच की जा रही है

खुद को मृत बताने का प्रयास

मुकेश शर्मा ने गलत तरीके से जन्मतिथि, नियुक्ति की तारीख दर्ज करवाई एवं खुद को दस्तावेज में मृत बताने का भी प्रयास किया। संस्था के मैनेजर तुषार शेंडे ने पुलिस को बताया कि ग्रेच्युटि की राशि सेवा समाप्ति, सेवानिवृत्ति या सेवा के दौरान मृत्यु होने पर ही संभव है। मुकेश शर्मा जीवित अवस्था में ऐसा करने का प्रयास कर रहे थे।

प्रभारी अधीक्षक के निधन पर शोक सभा आयोजित की

पुष्पांजली टुडे

सीहोर। मध्यप्रदेश लिपिक वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ एवं कलेक्ट्रेट कर्मचारी संघ द्वारा बड़ा बाजार स्थित कार्यालय पर कलेक्टर कार्यालय के प्रभारी अधीक्षक सुरेश श्रीवास्तव की माताजी श्रीमती आशादेवी श्रीवास्तव का 87 वर्ष की आयु में निधन हो जाने पर शोक सभा आयोजित की गई। शोक सभा में मध्यप्रदेश लिपिक वर्ग कर्मचारी संघ के संरक्षक जे.बी.सिंह स्टेनो कलेक्टर, राजेन्द्र मिश्रा लिपिक संघ जिलाध्यक्ष, लिपिक संघ जिला सचिव सुन्दरलाल राठौर, अरुण ठाकुर, बी.एस.पेठारी, राजेन्द्र शर्मा, अजय मालवीय, दिग्विजयसिंह, रामनारायण परमार, चन्द्रकांता गुप्ता, चन्द्रकांता जोशी, तहसील अध्यक्ष अंशुल शर्मा, लखनलाल धावरे, मंसूर अली, राजेन्द्र झलावा, सुदीप तोमर पटवारी, कमल पारिक आदि उपस्थित थे।

नतीजों के इंतजार के बीच कांग्रेस पहुंची निर्वाचन आयोग

भोपाल। प्रदेश में हिंसा, फायरिंग, आरोप-प्रत्यारोप के बीच पंचायत और नगरीय निकाय चुनाव निपट गए हैं. अब नतीजों का इंतजार है जो कल से आने शुरू हो जाएंगे. वोटिंग खत्म होते ही शिकायत और आरोपों का दौर तेज हो गया है. नेता प्रतिपक्ष गोविंद सिंह ने राज्य निर्वाचन आयोग को चिट्ठी लिखकर बीजेपी और सरकार के खिलाफ शिकायत दर्ज करायी है। कांग्रेस ने पंचायत और नगरीय निकाय चुनाव में सरकार पर गड़बड़ी का आरोप लगाया है. नेता प्रतिपक्ष डॉक्टर गोविंद सिंह ने राज्य निर्वाचन आयोग से इस बात की शिकायत की है. नेता प्रतिपक्ष ने राज्य निर्वाचन आयुक्त को पत्र लिखकर स्थानीय चुनाव में हुई गड़बड़ियों पर कार्रवाई करने की मांग की है. गोविंद सिंह ने आखिरी दौर के चुनाव में प्रशासनिक मशीनरी के दुरुपयोग का आरोप लगाया है. उन्होंने कहा इसके जरिए कांग्रेस उम्मीदवारों को गिरफ्तार कर नजर बंद किया गया।

सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग की शिकायत

नेता प्रतिपक्ष ने स्थानीय चुनाव में सत्तापक्ष से जुड़े उम्मीदवारों को फायदा पहुंचाने की शिकायत की है. डॉक्टर गोविंद सिंह ने कहा मतदान के बाद मतदान केंद्र पर ही मतगणना कर मौखिक रूप से जानकारी दी गई. लेकिन लिखित रूप से प्रत्याशियों को मतों की संख्या नहीं बताई गई. इससे नतीजों में हेरा फेरी की आशंका खड़ी हो गई है।

कान्हा से आई बाघिन सुंदरी, नया ठिकाना बना वन विहार

भोपाल। कान्हा टाइगर रिजर्व की प्रसिद्ध बाघिन सुंदरी का घर अब राजधानी का वन विहार नेशनल पार्क बन गया है। बुधवार देर रात उसे वन विहार में शिफ्ट कर दिया गया। फिलहाल उसे अलग हाउसिंग में रखा गया है। उसके आसपास दूसरे बाघों के बाड़े नहीं है। उसे विशेष वाहन में सड़क मार्ग से लाया गया है, जिसके कारण वह थकी हुई है और व्यवहार में आक्रामकता है। उसका

व्यवहार सामान्य होने तक उसके आसपास सीमित अधिकारी व वनकर्मियों को ही जाने की अनुमति है। बाघिन सुंदरी को कान्हा टाइगर रिजर्व से वन विहार में शिफ्ट करने की योजना लंबे समय से चल रही थी। इसके तहत बुधवार दोपहर में उसे कान्हा व पेंच रिजर्व के वन्यप्राणी चिकित्सकों ने बेहोश किया। फिर स्वास्थ्य संबंधी जांचें की थी, जिसमें वह फिट पाई गई थी। इसके बाद उसे पिंजरे में बंद कर वन विहार नेशनल पार्क भोपाल के लिए रवाना कर दिया था। कान्हा टाइगर रिजर्व के क्षेत्र संचालक एसके सिंह ने इसकी पुष्टि की है।

पति को छोड चुकी विवाहिता को लिवइन मे रखकर एक साल किया दुष्कर्म, फिर करने लगा प्रताड़ित

भोपाल। नये शहर के कोलार थाना क्षेत्र में दो बच्चों की मा को शादी का झांसा देकर लिवइन मे रखते हुए एक साल तक दुष्कर्म किये जाने का मामला सामने आया है। आरोप है, कि बीते दिनो जब उसने शादी करने का दबाव डाला तो आरोपी उसके साथ मारपीट करते हुए प्रताड़ित करने लगा। थाना पुलिस के अनुसार 27 साल की महिला ने अपनी शिकायत मे बताया कि वो इलाके में किराए से रहती है। उसकी पूर्व मे शादी हुई थी, ओर उसके दो बच्चे भी है। पारिवारिक कारणो के चलते उसने पति को छोड़ दिया था, ओर दोनो बच्चो को अपने पास रख लिया था। परिवार का पालन पोषण करने के लिये वो प्राइवेट काम करती थी। बीते समय उसकी साथ मे काम करने चले देवेंद्र दीक्षित से पहचान हो गई, ओर जल्द ही उनकी नजदीकिया बढ गई। देवेंद्र ने उसके साथ शादी करने का प्रस्ताव दिया। पीडीता को भी सहारे की तलाश थी, जिसके चलते उसने सहमति दे दी। इसके बाद आरोपी ने उसे अपने साथ किराए के मकान में रख लिया ओर उसका दैहिक शोषण करने लगा। वही महिला ने अपने दोनों बच्चे परवरिश के लिये एक संस्था को सौंप दिए थे। महिला का आरोप है, कि एक साल तक देवेंद्र दीक्षित ने उसे अपने साथ रखकर शारीरिक शोषण किया ओर बीते दिनो जब उसने उसपर शादी करने का दबाव बनाया तो वो उसके साथ मारपीट कर प्रताहित करने लगा। उसकी प्रताडना से तंग आकर पीडीता थाने जा पहुचीं, जहॉ पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला कायम कर उसकी गिरफ्तारी के प्रयास शुरू कर दिये है।

कोटा-नागदा सेक्शन पर अत्याधुनिक कोचों का स्पीड ट्रायल सफल रहा

180 किमी की रफ्तार से दौड़ी एलएचबी एसी डबल डेकर ट्रेन, हिल गई धरती

जबलपुर। पश्चिम मध्य रेलवे के कोटा मंडल ने फिर से इतिहास रच दिया। कोटा-नागदा सेक्शन पर अत्याधुनिक कोचों का स्पीड ट्रायल सफल रहा. कोटा मंडल के नागदा-कोटा-सवाई माधोपुर सेक्शन में अनुसंधान अभिकल्प मानक संगठन की टीम द्वारा 11 जुलाई को अधिकतम गति 180 किलोमीटर/घंटा का ट्रायल किया गया।

110 किमी प्रति घंटा से प्रत्येक राउंड में 10 किमी प्रति घंटा की स्पीड बढ़ाकर अधिकतम किमी प्रति घंटा तक ट्रायल किया गया. लबान से चौमहला स्टेशनों के बीच अधिकतम गति का ट्रायल सफल रहा. ट्रायल में लोको संख्या 35006 गाजियाबाद का इस्तेमाल किया गया. ट्रायल खाली कोच की स्थिति में किया गया। पिछले दो वर्षों में 15 हजार किमी से अधिक का हाई स्पीड ट्रायल पश्चिम मध्य रेल्वे के भोपाल और कोटा मंडलों पर आयोजित किए गए हैं. इससे पहले मार्च 2021 में, कोटा-नागदा रेलखंड पर डुअल मोड लोकोमोटिव का 150 किमी/घंटे की गति पर हाई स्पीड ऑसिलेशन ट्रायल किया गया था। पश्चिम मध्य रेलवे ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से ट्वीट करते हुए लिखा, कोटा मंडल के नागदा-कोटा-सवाई माधोपुर सेक्शन में अनुसंधान अभिकल्प मानक संगठन (RDSO), लखनऊ की टीम द्वारा दिनांक 11 जुलाई को अधिकतम गति 180 किलोमीटर/ घंटा का ट्रायल किया गया।

निगमायुक्त श्री कन्याल शहर भ्रमण कर देखी साफ सफाई व्यवस्था

गंदगी मिलने पर वार्ड 36 के डब्ल्यूएचओ को किया निलंबित

ग्वालियर। नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कन्याल ने सुबह-सुबह शहर के विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण कर शहर में चल रहे निर्माण कार्य एवं साफ सफाई सहित अन्य व्यवस्थाओं को देखा तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। इस अवसर पर अपर आयुक्त श्री श्री अतेंद्र सिंह गुर्जर, अधीक्षण यंत्री श्री जे.पी. पारा, प्रोजेक्ट इंजीनियर श्री शिशिर श्रीवास्तव, नोडल अधिकारी पार्क श्री मुकेश बंसल भी उपस्थित रहे।

निगमायुक्त श्री किशोर कन्याल ने भ्रमण के दौरान वार्ड क्रमांक 30 के अनुपम नगर पार्क पहुंचे। जहां उन्होंने पार्क के विकास के लिए स्थानीय आमजन को विकास में भागीदारी करने की बात कही। इसके साथी अनुपम नगर पार्क में नियमित साफ-सफाई, बाउंड्री वॉल पर आकर्षक पेंटिंग और स्थाई माली रखने के लिए निर्देशित किया। इस मौके पर स्थानीय नागरिकों ने निगमायुक्त श्री कन्याल का शॉल पहना कर स्वागत किया।

इसके साथ ही निरीक्षण के दौरान हुजरात कोतवाली और जिंसीनाला पर गंदगी मिलने पर वार्ड 36 के डब्ल्यूएचओ श्री संजये मेवाती को निलंबित कर दिया है। साथ ही भ्रमण के दौरान गुरूपूर्णिमा के अवसर पर विनय नगर स्थित आध्यात्म निकेतन पंहुचकर संत श्री संतकृपाल सिंह महाराज को माला, शॉल, गुलदस्ता भेंट कर आशीर्वाद लिया।

स्वच्छता निरंतर प्रयास से ही सम्भव हैः निगमायुक्त श्री कन्याल

ग्वालियर। नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कन्याल ने आज से शहर की सफाई व्यवस्था को सुचारू एवं सुद्रण बनाये रखने के लिये, स्वच्छता निरीक्षकों, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी, डिपो प्रभारी एवं अन्य अधिकारियों की बैठक लेकर स्वच्छता के कार्य को निरंतर रूप से प्रभावी तरीके से संचालित करने तथा शहर के किसी भी घर से कचरा सडक पर न आये के उद्धेश्य को लेकर स्वच्छता का कार्य करना चाहिए। बैठक में अपर आयुक्त श्री अतेन्द्र सिंह गुर्जर, उपायुक्त श्री अमर सत्य गुप्ता सहित अन्य सभी संबधित अधिकारी उपस्थित रहे।

निगमायुक्त श्री कन्याल ने शहर की स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाये रखने के लिये निगम के स्वास्थ्य अमले की बैठक में कहा कि अब हम स्वच्छता निरीक्षकों को और अधिक जिम्मेदारी एवं भरोसे का कार्य दे रहे हैं। जिससे वह पूर्ण गंभीरता के साथ कार्य करते हुए शहर की स्वच्छता में महत्वपूर्ण योगदान दे सकें। निगमायुक्त श्री कन्याल ने कहा कि हमारा पहला उद्धेश्य शहर के शतप्रतिशत घरों से सूखा, गीला, घरेलू हानिकारक एवं मेडिकल वेस्ट अलग-अलग एकत्रित करना है। जिससे किसी भी प्रकार का कचरा सडक पर न दिखे। इसके लिये सभी संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी लोगों को घर-घर जाक समझायें तथा उनमें यह आदत डालें कि वह स्वयं ही कचरा निगम के वाहन में ही डालें और इसके साथ ही लोगों को खाद्य सामग्री के छिलके एवं अन्य गीले कचरे से जैविक खाद बनाने के विधि के बारे में समझायें तथा सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करने की भी समझाइस दें। जिससे धीरे-धीरे अपने आप ही घरों से कचरा निकलना कम हो जाएगा।

इसके साथ ही निगमायुक्त श्री कन्याल ने यह भी निर्देश दिये कि शहर की किसी भी सडक अथवा गली में कचरे के ढेर न मिलें। शहर में सैकेंड्री वेस्ट उठाने वाली गाडिया एक रूट बनाकर शहर कही सडकों से सैकेंड्री वेस्ट उठायें और सडकों व नालियों की सफाई निरंतर हो यह सुनिश्चित करें।

नगरीय निकायों की मतगणना के दौरान मोबाइल का उपयोग रहेगा प्रतिबंधित

ग्वालियर। सचिव राज्य निर्वाचन आयोग श्री राकेश सिंह ने जानकारी दी है कि नगरीय निकायों के आम एवं उप निर्वाचनों की मतगणना के दौरान मोबाइल फोन का उपयोग मतगणना कार्य में बाधक होता है तथा मतगणना कार्य की गोपनीयता भंग होने की संभावना बनी रहती है। मतगणना भवन तथा परिसर में मोबाइल फोन का उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित किया गया है। इसमें पत्रकार भी शामिल हैं। निर्वाचन पर्यवेक्षण के लिए आयोग द्वारा नियुक्त प्रेक्षक इस प्रतिबंध से मुक्त रहेंगे, जिससे वे आयोग से सतत सम्पर्क में बने रहें। श्री सिंह ने कहा है कि निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी और उनके निर्वाचन एवं गणना अभिकर्ता की मतगणना स्थल पर प्रवेश के दौरान जाँच की जाएगी और मोबाइल लाने पर मतगणना स्थल में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। इस संबंध में सभी अभ्यर्थियों और मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों को पूर्व से अवगत कराने के निर्देश दिए गए हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं मतगणना कार्य से सम्बद्ध अधिकारियों द्वारा आयोग से सम्पर्क के लिए मतगणना स्थल के समीप ही एक कक्ष में दूरभाष स्थापित किये जाने की व्यवस्था पूर्व से ही की जाती रही है।

बिना अनुमति अवैध रूप से अपने भवन पर होर्डिंग लगाने पर भवन स्वामी एवं संबंधित विज्ञापनकर्ता को दिया नोटिस

ग्वालियर।नगर निगम ग्वालियर की विज्ञापन शाखा द्वारा श्री रमेश शर्मा पुत्र श्री लक्ष्मीनारायण शर्मा निवासी रामदास घाटी ग्वालियर एवं फर्म फर्नीचर प्लाजा एण्ड इंटीरियर निवासी आदर्श कॉलोनी के पास काजल टॉकीज के पीछे लश्कर ग्वालियर द्वारा बिना अनुमति के अपने भवन पर अवैध रूप से होर्डिंग लगाकर विज्ञापन किया जा रहा है। होर्डिंग को हटाने के लिये नोटिस जारी किया गया।

सहायक नोडल अधिकारी विज्ञापन श्री संदीप शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कन्याल एवं अपर आयुक्त श्री मुकुल गुप्ता एवं उपायुक्त श्री सुनील चैहान के निर्देशन में राजस्व वसूली के लिये निरंतर अभियान चलाकर कार्यवाही की जा रही है। इसी के तहत श्री रमेश शर्मा पुत्र श्री लक्ष्मीनारायण शर्मा निवासी रामदास घाटी ग्वालियर एवं फर्म फर्नीचर प्लाजा एण्ड इंटीरियर निवासी आदर्श कॉलोनी के पास काजल टॉकीज के पीछे लश्कर ग्वालियर द्वारा रामदास घाटी स्थित भवन वार्ड क्रमांक 33 पर होर्डिंग लगाकर विज्ञापन प्रदर्शित किया जा रहा। मध्य प्रदेश आउट डोर विज्ञापन मीडिया नियम 2017 के नियम 22 के अंतर्गत अपराध कारित करने की श्रेणी में आता है। अतः उक्त अवैध होर्डिंग को हटाकर तत्काल इस कार्यालय को सूचित करें। समयावधि में उत्तर प्राप्त न होने की दशा में आपके विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही प्रस्तावित की जावेगी।

अंकुर अभियान के तहत शहर में रोपे 14 सौ पौधे, निगमायुक्त श्री कन्याल ने कृष्णा कॉलोनी के डिवाइडर पर रोपे पौधे

ग्वालियर। अंकुर अभियान के तहत शहर में वृहद स्तर पर पौधा रोपण किया जा रहा है। इसका मौका मुआयना करने निगमायुक्त श्री किशोर कन्याल ने शहर भ्रमण कर देखा तथा पौधा रोपण कर संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शहर में विभिन्न क्षेत्रों में प्रतिदिन 500 पौधे लगाने का लक्ष्य रखा जाए तथा लगाये हुए पौधों का हर माह रिव्यू किया जाये। इस अवसर पर अपर आयुक्त श्री श्री अतेंद्र सिंह गुर्जर, अधीक्षण यंत्री श्री जे.पी. पारा, प्रोजेक्ट इंजीनियर श्री शिशिर श्रीवास्तव, नोडल अधिकारी पार्क श्री मुकेश बंसल भी उपस्थित रहे।

निगमायुक्त श्री किशोर कन्याल ने कृष्णा कॉलोनी के डिवाइडर पर पौधरोपण किया। इसके बाद उन्होंने बैजाताल के सामने बने पार्क का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जंहा नगर निगम द्वारा सैलानियों के लिए सेल्फी पॉइंट बनाने जा रहा है। इसके साथ ही यंहा कई किस्मो के गुलाब लगा कर गुलाब गैलरी तैयार की जाये। जिससे यहां पर आने वाले सैलानियों को शहर की सुंदरता को करीब से देखने का मौका मिले।

इसके साथ ही पार्क विभाग द्वारा सिरोल डिवाइडर, हुरावली, सचिन तेंदुलकर मार्ग गोलंबर पर कनेर प्रजाति, फाइकस प्रजाति के पौधे, ओर चम्पा प्रजाति के 550 पेड़ों का पौधा रोपण किया। इसके साथ ही नाका डिवाइडर पर सफाई कार्य कराने के बाद कन्हेर के 100 पौधों का रोपण किया गया एवं अंकुर एप पर अपलोड किए गए। इस अवसर पर पार्क पर्यवेक्षक श्री दिनेश कुशवाह उपस्थित रहे। साथ ही गुड़ी गुड़ा नाका के शेष डिवाइडर पर 50 पौधों का रोपण किया गया एवं अंकुर एप पर अपलोड कराया गया।

साथ ही हजीरा से चार शहर का नाका डिवाइडर पर चम्पा प्रजाति के पौधो का रोपण किया गया। पौघो की संख्या 200 एवं अंकुर एप्प पर डाउनलोड किया गया।

जहां भक्तों की भावना प्रबल होती है वहीं चतुर्मास होता हैः आर्यिकाश्री

आर्यिकाश्री के चातुर्मास मंगल कलश स्थापना में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए

ग्वालियर-भक्तों की भक्ति ही चातुर्मास करा सकती है। जहां भक्तों की भावना प्रबल होती है वहीं चतुर्मास होता है। मामा का बाजार के इतिहास में भक्तों का चातुर्मास का पुण्य जग वो बड़े ही सौभाग्यशाली होते है। हमें चातुर्मास में अपने बच्चों को अपने धर्म और पूजा के प्रति आदर भाव रखना सिखाएंगे ताकि वे अन्य %मतों% की ओर ना जाएं। यह विचार श्रमणी आर्यिकाश्री विरम्या माताजी ने आज गुरुवार को मामा का बाजार स्थित ऋषभ धर्मशाला में वात्सल्यमय चातुर्मास कलश स्थापना समारोह में धर्मसभ को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

श्रमणी आर्यिकाश्री विसंयोजना माताजी ने कहा चातुर्मास आत्म कल्याण करने का पर्व है। बारिश होने से जीवों की उत्पत्ति होती है इसलिए जैन साधु का विहार निषेध है। एक जगह रहकर धर्म उपदेश देकर धर्म आराधना करके आत्म कल्याण करना चाहिए।चातुर्मास जीवन को बदलने और स्वयं को जानने का अवसर देता है। दोनों आर्यिकाश्री माताजी के चरणों मे वात्सल्यमय बर्षयोग समिति के मुख्य संयोजक भरत वेरागगी, पारस जैन, पंडित चंद्रप्रकाश जैन, सुनील भंडारी, बसंत जैन, डीके जैन, प्रकाशचंद जैन, राजेश जैन, अंनत जैन, एवं जैन समाज की अनेकों संस्थाओं के साथ उपग्वालियर, मुरार, लश्कर ने सामूहिक रूप से श्रीफल भेंट किया। कार्यकम का संचालन आदित्यमणि जैन एवं पंडित चंद्रप्रकाश जैन ने किया।

इन्होंने किया कलश स्थापना समारोह कार्यक्रम का शुभारंभ

जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि कलश स्थापना का शुभारंम जैन ध्वजरोहण सुरेशचंद जैन सीएमओ परिवार ने किया। आचार्यश्री विराग सागर महाराज के चित्र का आवरण लालमणि प्रसाद संजयमणि वरैया एवं चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित सुभाष शीला जैन परिवार तथा आर्यिकाश्री को शास्त्र भेंट सुरेशचंद गीता जैन एवं सुदर्शन साधन जैन परिवार ने किया। स्वागत उदबोधन मुख्य संयोजक भरत जैन वेरागगी एवं भक्ति नृत्य श्रमण संस्कृति संस्थान की सुनयना जैन नीतू अलका व मानव जैन ने सामूहिक व बालिकाओं ने सांस्कृतिक भक्ति नृत्य प्रस्तुतिया दी।

आर्यिकाश्री ने गुरू विराग सागर पूजन कराया, संगीतमय भजनो पर गुरूभक्तो भक्ति की

जैन समाज के प्रवक्ता सचिन आदर्श कलम ने बताया कि श्रमणी आर्यिकाश्री विरम्या माताजी एवं श्रमणी आर्यिकाश्री विसंयोजना माताजी ने मंत्र उच्चरण के साथ आचार्यश्री विराग सागर महाराज गुरुदेव का महा पूजन जैन समाज के समाजजनो एवं विभिन्न संस्थाओं ने जल, चन्दन, अक्षत, पुष्प, नैवेद, दीप, धूप, फल, एवं महाअर्घ्य हाथों में सज्जी होई अष्टद्रव से अर्घ समर्पित करवायें। गुरूदेव के जयकारों के साथ गूँज उठा और संगीतकार अनुपमा जैन सुरत्न के भक्तिमय भजन दीवान गुरूवर का जाप गुरूवर का नाम दीवान गुरूवर....गुरूवर की सूरतिया लगे प्यारी प्यारी...गुरूवर हम तो दीवाने है तेरे...मुझे लगी गुरूसंग प्रीत की दुनिया क्या जाने.... भजनो पर भक्ति की।

संक्षिप्त समाचार

सिंगल यूज़ पॉलीथिन जप्त कर, वसूला जुर्माना

ग्वालियर। सिंगल यूज प्लास्टिक के उत्पादन, भण्डारण, परिवहन, क्रय-विक्रय एवं उपयोग पर प्रतिबंध होने पर निर्माता, स्टॉकिस्ट, रिटेलर तथा विक्रेताओं पर निगमायुक्त श्री किशोर कन्याल के निर्देशानुसार नगर निगम सीमा क्षेत्र में छापामार कार्यवाही की जा रही है। अपर आयुक्त श्री अतेन्द्र सिंह गुर्जर के निर्देशन में स्वास्थ्य अधिकारी दक्षिण विधानसभा श्री भीष्म कुमार पमनानी व उनके दल ने वार्ड क्रमांक 49 में भोलेनाथ मिष्ठान भंडार दरगाह के पास तारागंज पुल के पास लश्कर के यहां पर 8 किलो सिंगल यूज पॉलीथिन जप्त की गई। साथ में 3000 रुपए का जुर्माना किया गया। उसके उपरांत वार्ड क्रमांक 41 छत्री बाजार दिलीप डेयरी पर 1 किलो सिंगल यूज पॉलीथिन जप्त कर 1000 रूपये का जुर्माना किया गया। इस अवसर पर सहायक स्वास्थ्य अधिकारी श्री अशोक खरे, एसआई श्री महेश खरे, श्री सेवाराम खरे वार्ड क्रमांक 35, 41, 42, 43 एवं 49 के डब्ल्यूएचओ उपस्थित थे। साथ ही स्वास्थ्य अधिकारी ग्वालियर विधानसभा श्री कृष्ण शर्मा व उनके दल ने वार्ड क्रमांक 09 में पॉलीथिन जप्ती की कार्रवाई की। जिसके अंतर्गत दूध डेयरियों एवं दुकानदारों द्वारा उपयोग किए जाने वाली 100 माइक्रोन से कम की कैरी बैग 3.5 किलो जप्त की गई एवं 1350 रूपये का जुर्माना वसूला गया। कार्रवाई में सहायक स्वास्थ्य अधिकारी श्री शरण कुमार, एसआई जोन 2 श्री भगवानदास छात्रे, एसआई जोन क्रमांक 4 श्रभ् रवि करोसिया एवं डब्ल्यूएचओ 09 श्री रवि मेवाती , वार्ड क्रमांक 6 श्री विकास पारछे, वार्ड क्रमांक 10 सहायक डब्ल्यूएचओ श्री विजय पवार उपस्थित रहे। साथ ही किला गेट चैराहे पर वार्ड क्रमांक 9 और 10 में पॉलीथिन पर जुर्माने की कार्रवाई की गई।

पैक्ड फूड आइटम्स पर जीएसटी के विरोध में कैट ने ज्ञापन दिए

ग्वालियर। केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमन ने पहले से पैक करके रखे हुए सभी प्रकार के अनब्रांडेड फूड आइटम्स पर भी 5प्रतिशत जीएसटी लगा दिया है जिससे आम आदमी और व्यापारी बुरी तरह से त्रस्त हो जाएगा। इस टैक्स का कैट द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर विरोध कर इसे वापिस लेने की मांग की जा रही है .इसी तारतम्य में आज कैट ग्वालियर द्वारा सेंट्रल जीएसटी के असिस्टेंट कमिश्नर श्रीधर घाणेकर एवम स्टेट जीएसटी के ज्वाइंट कमिश्नर यू सी बेस को कैट अध्यक्ष रवि गुप्ता के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय वित्त मंत्री जी के लिए ज्ञापन सौंप कर इसे वापिस लेने की मांग की.प्रतिनिधिमंडल में कोषाध्यक्ष श्री जेसी गोयल एड, संयुक्त सचिव सीए श्री मयूर गर्ग, सीए श्री दीपक वाजपेई, सीए श्रीमती निधि गर्ग, श्री पंकज गोयल एड आदि सम्मिलित थे। इस टैक्स के विरोध की अगली श्रंखला में कैट द्वारा दिनांक 18 जुलाई को जयेंद्रगंज चौराहा पर शाम 4 से 5 बजे तक शांति पूर्ण धरना एवम प्रदर्शन भी किया जाएगा. ज्ञातव्य है कि यह धरना पूर्व में 16 जुलाई को निश्चित किया गया था किंतु इस दिनांक के लिए शासन द्वारा अनुमति नहीं दी गई। इसी संबंध में कैट की रणनीति बताते हुए कैट मध्य प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र जैन ने बतलाया कि शीघ्र ही भोपाल में 5त्न जीएसटी के विरोध में राज्यस्तरीय सम्मेलन होगा इस संबंध में आज उन्होंने फेडरेशन ऑफ मध्यप्रदेश चेम्बर एंड इंडस्ट्री भोपाल के अध्यक्ष श्री राधाशरण गोस्वामी जी, भोपाल चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष श्री तेजकुलपाल सिंह पाली, चेम्बर के अन्य पदाधिकारीगण, कैट के संयुक्त अध्यक्ष सुनील अग्रवाल के साथ चर्चा की और पूरे प्रदेश के समस्त चेम्बर ऑफ कॉमर्स एवं व्यापारिक संगठनों को एक प्लेटफार्म पर लाकर भविष्य में प्रदेशव्यापी आंदोलन करने के लिए राज्य स्तरीय सम्मेलन भोपाल में आयोजित होगा। इस अवसर पर कैट मध्यप्रदेश के कोषाध्यक्ष मनोज चौरसिया, सुनील अग्रवाल, संदीप गोदा, कृष्ण कुमार बांगड़, कृष्ण गोपाल गट्टानी, मुनींद्र वैद्य आदि उपस्थित थे।

प्रत्याशियों के मतगणना अभिकर्ताओं का प्रशिक्षण 15 जुलाई को

ग्वालियर। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के तहत ग्वालियर नगर निगम सहित जिले के सभी नगरीय निकायों में मतगणना की तैयारियाँ लगभग पूर्ण कर ली गई हैं। इसी कड़ी में 15 जुलाई को प्रत्याशियों के मतगणना अभिकर्ताओं को मतगणना संबंधी प्रशिक्षण दिया जायेगा। साथ ही मतगणना से संबंधित राज्य निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों और मतगणना प्रक्रिया की जानकारी भी दी जायेगी। जिला निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार 15 जुलाई को अपरान्ह 3 से 4 बजे तक बाल भवन में नगर निगम ग्वालियर के महापौर पद के प्रत्याशियों के गणना अभिकर्ताओं को प्रशिक्षित किया जायेगा। इसी कड़ी में अपरान्ह 4 बजे से सायंकाल 5 बजे तक सभी वार्डों के पार्षद पद के प्रत्याशियों के गणना अभिकर्ताओं को यह प्रशिक्षण दिया जायेगा।

मतगणना का पूर्वाभ्यास 16 जुलाई को

ग्वालियर। नगरीय निकाय आम निर्वाचन कार्यक्रम के तहत ग्वालियर जिले के नगरीय निकायों की मतगणना 17 जुलाई को प्रात- 9 बजे से होगी। मतगणना की सभी तैयारियाँ अंतिम चरण में हैं। इस कड़ी में 16 जुलाई को गणना पर्यवेक्षक एवं गणना सहायकों को मतगणना का पूर्वाभ्यास कराया जायेगा। मतगणना का पूर्वाभ्यास प्रात- 11 बजे से यहाँ झाँसी रोड़ स्थित शासकीय आदर्श विज्ञान महाविद्यालय में होगा। ग्वालियर नगर निगम की मतगणना के लिए तैनात किए गए गणना पर्यवेक्षक एवं गणना सहायकों को मतगणना के पूर्वाभ्यास के बाद पहचान पत्र भी वितरित किए जायेंगे। पहचान पत्र तैयार करने व वितरण के लिए परियोजना अधिकारी श्री नीरज शर्मा के नेतृत्व में 9 सदस्यीय दल गठित किया गया है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णौपुरम्, एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रित करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनूमान मंदिर के पास, भिण्ड रोड, गोले का मंदिर जिला ग्वालियर, मध्य प्रदेश 474005 से प्रकाशित। संपादक- भरत सिंह चौहान पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार। E-mail : pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, M.: 8269307478